Monthly
PTEC NEWS LETTER
Volume 3 April, 2026 Issue 4

"परिवर्तन ही प्रगति का आधार"

महाविद्यालय केवल पढ़ाई-लिखाई का केंद्र नहीं, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास का स्थान होता है। यहाँ विद्यार्थी न केवल ज्ञान प्राप्त करते हैं, बल्कि जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझते हुए जिम्मेदार नागरिक बनने की ओर बढ़ते हैं। हाल ही में हमारे महाविद्यालय में पुराने छात्र प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हुआ और नए प्रतिनिधियों का चयन किया गया। यह परिवर्तन सामान्य होते हुए भी नई संभावनाओं और ऊर्जा का प्रतीक है।

जीवन में परिवर्तन अनिवार्य है। समय के साथ भूमिकाएँ बदलती हैं और व्यक्ति भी विकसित होता है। पुराने प्रतिनिधियों ने अपने कार्यकाल में अनुशासन बनाए रखने, कार्यक्रमों में सहयोग करने और छात्रों की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने नेतृत्व, समय प्रबंधन और टीमवर्क जैसे गुण सीखे, जो उनके भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।

एक बार एक छोटे से गाँव में दो दीपक थे। एक पुराना दीपक था, जो वर्षों से मंदिर में जलता आ रहा था, और दूसरा नया दीपक था, जिसे अभी-अभी वहाँ लाया गया था। पुराने दीपक ने वर्षों तक अंधकार को दूर किया था और सभी को प्रकाश दिया था। समय बीता और एक दिन पुजारी ने नए दीपक को जलाकर मंदिर में स्थापित कर दिया।

नया दीपक थोड़ा घबराया हुआ था। उसने पुराने दीपक से कहा, "क्या मैं आपकी जगह ले पाऊँगा? क्या मैं भी उतना ही प्रकाश दे सकूँगा?" पुराना दीपक मुस्कुराया और बोला, "मेरा कार्य था अंधकार को दूर करना, और अब यह जिम्मेदारी तुम्हारी है। याद रखो, प्रकाश देने के लिए तुम्हें स्वयं जलना होगा। जब तुम पूरे मन से अपना कर्तव्य निभाओगे, तो तुम्हारा प्रकाश भी उतना ही उज्ज्वल होगा।"

नए दीपक ने इस बात को समझा और पूरे समर्पण के साथ जलने लगा। धीरे-धीरे उसने भी मंदिर को उसी तरह प्रकाशमय बना दिया, जैसे पहले पुराना दीपक करता था।

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि जिम्मेदारियाँ बदलती रहती हैं, लेकिन कर्तव्य का महत्व वही रहता है। जो व्यक्ति समर्पण और ईमानदारी से अपने कार्य को करता है, वह हर परिस्थिति में सफल होता है।

इसी प्रकार नए छात्र प्रतिनिधियों के सामने भी एक अवसर है। उन्हें यह समझना होगा कि यह पद सम्मान के साथ-साथ सेवा और जिम्मेदारी का प्रतीक है। यदि वे ईमानदारी और समर्पण से कार्य करेंगे, तो महाविद्यालय के विकास में योगदान देने के साथ-साथ स्वयं भी सीखेंगे और आगे बढ़ेंगे।

अंततः, यह परिवर्तन केवल पदों का बदलाव नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। नए प्रतिनिधियों को चाहिए कि वे अपनी जिम्मेदारियों को समझें और पूरे मनोयोग से निभाएँ—यही उन्हें एक सक्षम और जिम्मेदार व्यक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ाएगा।

संपादकीय

नए छात्र-प्रतिनिधियों का शपथ-ग्रहण समारोह

"जिम्मेदारी स्वीकार करना और नेतृत्व करना केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि स्वयं को गढ़ने और निखारने की एक सशक्त प्रक्रिया है। यह प्रशिक्षण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है, जो व्यक्ति के भीतर अनुशासन, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और सेवा भाव जैसे गुणों का विकास करता है। जब कोई व्यक्ति इन जिम्मेदारियों को ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाता है, तब वह न केवल अपने जीवन में आगे बढ़ता है, बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बनता है। यही वह सशक्त कदम है, जो समाज में सकारात्मक नेतृत्व की क्रांति का मार्ग प्रशस्त करता है और एक बेहतर, जागरूक एवं जिम्मेदार भविष्य की नींव रखता है।"

यह अवसर हमारे महाविद्यालय के लिए अत्यंत हर्ष, गर्व और प्रेरणा का क्षण है, जब हमारे नए छात्र प्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों का विधिवत् शपथ ग्रहण कर रहे हैं। यह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, नेतृत्व और आत्मविकास की एक नई यात्रा का शुभारंभ है।

सबसे पहले मैं हमारे पूर्व छात्र प्रतिनिधियों को हृदय की गहराइयों से धन्यवाद एवं बधाई देना चाहता हूँ। आपने अपने कार्यकाल के दौरान जिस निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया, वह अत्यंत सराहनीय है। आपके अनुभवों ने आपको न केवल एक बेहतर छात्र बनाया, बल्कि आपके भीतर अनुशासन, समय प्रबंधन, सहयोग की भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता जैसे महत्वपूर्ण गुणों का भी विकास किया। ये सभी गुण आपके जीवन के हर क्षेत्र में आपको आगे बढ़ने में सहायक होंगे।

मैं नव-निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। आपने जिस उत्साह और साहस के साथ इन जिम्मेदारियों को स्वीकार किया है, वह आपके उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। यह दायित्व केवल एक पद या पहचान नहीं है, बल्कि यह स्वयं को निखारने, अपने भीतर छिपी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें सही दिशा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

हमारा यह प्रशिक्षण महाविद्यालय केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा मंच है जहाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष बल दिया जाता है। यहाँ मिलने वाली जिम्मेदारियाँ हमें जीवन के वास्तविक अनुभवों से परिचित कराती हैं। जब हम अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, लगन और निष्ठा के साथ करते हैं, तब हमारे भीतर नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता, संवाद कौशल तथा विभिन्न कला-कौशल का विकास होता है, जो हमें समाज में एक सशक्त और जिम्मेदार नागरिक के रूप में स्थापित करता है।

मैं आप सभी से अपेक्षा करता हूँ कि आप अपने दायित्वों को समझते हुए महाविद्यालय की गरिमा को बनाए रखें, आपसी सहयोग और समन्वय के साथ कार्य करें तथा अपने आचरण से दूसरों के लिए एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे नए छात्र प्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे और महाविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए अपने कार्यों से सभी को प्रेरित करेंगे। आप सभी का यह प्रयास न केवल आपके व्यक्तिगत विकास में सहायक होगा, बल्कि हमारे महाविद्यालय को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगा।

आप सभी को एक बार पुनः उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।"

प्राचार्य
प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय
गुड़वा, सीतागढ़, हजारीबाग

Student Representatives (Old)

SN	Responsibilities	Representatives (Gents)	Representatives (Ladies)
1	Academic & Cultural Representative	1. Jaylas Kerketta 2. Anand Tirkey	1. Alisa Tirkey 2. Prisma Toppo
2	Agriculture & Cleaning Representative	1. Rajat Bage 2. Asit Lakra	1. Anima Toppo 2. Anisha Ekka
3	Liturgy & Prayer Representative	1. Anish Kerketta 2. Ujjwal Toppo	1. Anamika Kullu 2. Krusita Tirkey
4	Health & Hygiene Representative	1. Robin Kindo 2. Jemmy Ekka	1. Sunita Lugun 2. Alka Kandulna
5	Games & Sports Representative	1. Marshel Tudu 2. Emest Bhengra	1. Tanwi Kerketta 2. Priti Kerketta
6	Notice Board Representative	1. Sachin Marandi 2. Sanjay Aind	1. Leema Tirkey 2. Muskan Lakra
7	Flower Garden Representative	1. Sigin Mundu 2. Akash Ekka	-
8	Electricity Representative	1. Akash Tirkey 2. Anish Kumar Paswan	-

Student Representatives (New)

SN	Responsibilities	Representatives (Gents)	Representatives (Ladies)
1	Academic & Cultural Representative	1. Arvind Topno 2. Ankit Baxla	1. Nibha Xalxo 2. Akansha Tudu
2	Agriculture & Cleaning Representative	1. Chiranjeet Baa 2. Suchit Markas Tigga	1. Pratibha Tudu 2. Nirupa Tete
3	Liturgy & Prayer Representative	1. Abhishek Toppo 2. Amrit Bara	1. Mamta Tete 2. Preeti Aind
4	Health & Hygiene Representative	1. Dibar Sandi Purty 2. Robinson Beck	1. Asiyan Ekka 2. Nutan Topno
5	Games & Sports Representative	1. Ashok Kujur 2. Paulus Hansda	1. Monica Lakra 2. Anju Aind
6	Notice Board Representative	1. Anish Horo 2. Ashish Baa	1. Archana Minj 2. Anubha Toppo
7	Flower Garden Representative	1. Rahul Kujur 2. Ankit Kullu	-
8	Electricity Representative	1. Avinash Toppo 2. Bipin Kachhap	-

पुराने छात्र प्रतिनिधियों की ओर से 6 महीने के कार्यकाल का सामूहिक अनुभव को साझा किया गया।

मैं, अनिमा टोप्पो, सभी प्रतिनिधियों की ओर से पिछले 6 महीनों के कार्यकाल में सीखे गए अनुभवों और मूल्यों को आप सभी के समक्ष साझा करना चाहती हूँ।

हम सभी प्रतिनिधियों ने अपने-अपने पदों पर रहते हुए नेतृत्व करना, जिम्मेदारियों को निभाना और मिल-जुलकर कार्य करना सीखा। इस दौरान हमें अनेक प्रकार के अनुभव प्राप्त हुए, जिन्होंने हमें न केवल कार्यकुशल बनाया बल्कि हमारे व्यक्तित्व को भी निखारा।

अपने कार्यकाल के दौरान हमने छोटे-छोटे कार्यों से लेकर बड़े आयोजनों तक—जैसे स्वच्छता व्यवस्था, प्रार्थना संचालन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, उद्यान की देखभाल तथा सजावट, सेवा और विद्युत व्यवस्था—सभी कार्यों को पूरी लगन और जिम्मेदारी के साथ संपन्न करने का प्रयास किया। इन सभी कार्यों के माध्यम से हमने टीमवर्क, अनुशासन और समर्पण का महत्व सीखा।

इसके साथ ही हमने छात्रों और शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का भी प्रयास किया, जिससे महाविद्यालय का वातावरण अधिक सकारात्मक और सहयोगपूर्ण बना। इस यात्रा के दौरान हमें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा, जैसे समय का प्रबंधन करना, सभी की अपेक्षाओं को समझना और उन्हें पूरा करना। इन अनुभवों ने हमें धैर्य, नेतृत्व क्षमता और समस्या समाधान की महत्वपूर्ण सीख दी।

अंत में, मैं सभी प्रतिनिधियों, व्याख्याताओं, आदरणीय प्राचार्य तथा सभी प्रशिक्षुओं को उनके मार्गदर्शन, सहयोग और हमारे निर्णयों में साथ देने के लिए हृदय से धन्यवाद देती हूँ।

पुनः, आप सभी को हर सहयोग और स्नेह के लिए दिल की गहराइयों से धन्यवाद।

"My Journey as a Captain: A Path of Leadership and Growth"

My experience as a captain has been truly fantastic and fruitful. It offered me countless opportunities to grow as a leader, understand the value of teamwork, and take on responsibilities with confidence.

Through this role, I learned many important skills—how to make decisions, how to guide and motivate others, and how to balance discipline with empathy. This journey not only enhanced my abilities but also shaped my personality in a meaningful way.

As I move forward, I carry with me valuable lessons that will continue to inspire and guide me in every step of my life.

Jaylas Kerketta

"कॉलेज कैप्टन के रूप में मेरा अनुभव"

कॉलेज कैप्टन के पद पर रहते हुए मुझे नेतृत्व करने, जिम्मेदारियों को निभाने तथा टीम के साथ मिलकर कार्य करने का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ। अपने कार्यकाल के दौरान मैंने विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इसके साथ ही, मैंने छात्रों और शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया, जिससे कॉलेज का वातावरण और अधिक सकारात्मक और सहयोगपूर्ण बन सका। इस अवधि में मुझे कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा, जैसे समय का प्रभावी प्रबंधन करना और सभी की अपेक्षाओं पर खरा उतरना।

हालाँकि, इन अनुभवों ने मुझे धैर्य, नेतृत्व क्षमता तथा समस्या-समाधान के गुण सिखाए। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि अपने साथियों के सहयोग से हम कई सफल कार्यक्रम आयोजित कर सके और कॉलेज की प्रतिष्ठा को बढ़ाने में अपना योगदान दे सके।

अलिसा तिर्की
द्वितीय वर्ष 'ब'

Golden Era in PTEC

(As Vice College Captain)

अब वह समय आ गया है जब मैं अपने कार्यकाल के अंतिम चरण में हूँ। इस पूरे कार्यकाल के दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा है, जिसे मैं अपने जीवन भर संजोकर रखूँगा। मुझे आज भी वह दिन याद है जब मैं स्वयं को इस पद के योग्य नहीं समझता था, फिर भी मुझे प्रशिक्षुओं द्वारा इस पद के लिए चुना गया। मैं इसे ईश्वर की योजना मानता हूँ, जिसने मुझे इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी तक पहुँचाया।

शुरुआत में मैं इन जिम्मेदारियों से अनजान था, लेकिन धीरे-धीरे मैंने एक अगुवाकार (leader) के रूप में अपने कर्तव्यों को समझा और उन्हें सफलतापूर्वक निभाया। इस पद ने मेरे जीवन और शैक्षणिक कार्यों में महत्वपूर्ण बदलाव लाए। विशेष रूप से, मैंने समय की पाबंदी के महत्व को गहराई से समझा। समय के साथ चलना और उसका सही उपयोग करना ही सफलता की कुंजी है—चाहे लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो।

किसी ने सही कहा है—

"कोई कहता है करियर के पीछे भागो,
कोई कहता है दुनिया के साथ चलो।
कुछ लोग कहते हैं खूब मेहनत करो,
और कुछ कहते हैं ऊँची उड़ान भरो।
मुझे तो लगता है, इस भाग-दौड़ भरी दुनिया में अपने मेहनत और लगन
के साथ समय के साथ आगे बढ़ते चलो।"

इस सुनहरे दौर ने मुझे सिखाया कि बड़ों से कैसे संवाद करना है और जिम्मेदारियों को कैसे निभाना है। मेरा जीवन पहले एक कोरे कागज की तरह था, लेकिन इस महाविद्यालय ने मुझे अवसर दिए, जिनसे मेरे जीवन में इन्द्रधनुष के सात रंगों की तरह नए अनुभव जुड़े।

आज भले ही मेरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है, लेकिन अपने शिक्षकों से मिली सीख और यह अनुभव जीवन भर मेरे साथ रहेंगे। मैं महाविद्यालय के प्राचार्य का हृदय से धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने हर परिस्थिति में मेरा मार्गदर्शन किया। साथ ही, मैं मैम डॉली का भी आभारी हूँ, जिनका सहयोग और निर्देशन पूरे कार्यकाल के दौरान मेरे साथ रहा। उनके मार्गदर्शन ने इस यात्रा को और भी सरल और सफल बनाया।

अंत में, मैं अपने अनुभव को एक शायरी के साथ समाप्त करना चाहूँगा—

"जीवन एक सफर है, सागर भी गहरा है,
उठना तो सभी चाहते हैं, आगे बढ़ना भी चाहें।
पर मंजिल उन्हें ही मिलती है,
जो दूसरों के लिए भलाई करें, खुद को भूलकर आगे बढ़ें।"

आनंद तिर्की
द्वितीय वर्ष 'ब'

अनुभव

(Academic and Cultural Representative)

जिम्मेदारी हर मनुष्य को, मिलती है अलग अलग
निभाते हर काम को सभी है अलग अलग
PTEC में मिला मुझे, पद कॉलेज उप प्रतिनिधि का
डर लगता था मुझे, सुनकर नाम इस पद का

सबसे बड़ा भय था सामने जाने का
मिला मौका था, सामने जाने का
सहपाठी प्रतिनिधियों ने किया मदद मेरा
भय का सामना करने, दिया हौसला मेरा

जरूरी काम था घंटी लगाना
इसे कभी था नहीं टालना
कल्पना की दुनिया में
ख्याली पुलाव पकाने में
पार समय हो चलती
घंटी बजाने देर हो चलती

सीख मुझे बहुत कुछ मिली
कैसे तैयारी करें कार्यक्रम का
कैसे बातें रखें प्रशिक्षुओं का
इन सभी सीखों के लिए आभार है दिल से
जीवन में सीखों को करूंगी लागू दिल से,

प्रिस्मा टोप्पो

College Maintenance Leader Experience
(जिंदगी एक सफर)

कॉलेज जीवन केवल पढ़ाई तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि यह हमें जिम्मेदारी, अनुशासन और नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण गुण भी सिखाता है। मुझे अपने महाविद्यालय में 6 महीनों तक *फार्म एवं मेंटेनेंस लीडर* के रूप में कार्य करने का सुनहरा अवसर मिला, जो मेरे लिए एक महत्वपूर्ण और सीख से भरपूर अनुभव रहा।

इस पद पर रहते हुए मेरा मुख्य कार्य महाविद्यालय परिसर के फार्म और मेंटेनेंस से जुड़ी गतिविधियों का संचालन करना था। इसमें कृषि कार्य, स्पोर्ट्स डे, गणतंत्र दिवस, पिकनिक, कॉलेज डे आदि कार्यक्रमों में स्थान व्यवस्था, संचालन और निगरानी की जिम्मेदारी शामिल थी।

मैं अपनी टीम के साथ प्रतिदिन सुबह जल्दी महाविद्यालय पहुँचकर खिड़कियाँ और दरवाजे खोलता था तथा पिछले दिन के अधूरे कार्यों को पूरा करता था। इसके साथ ही हम साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और परिसर की व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने का कार्य भी जिम्मेदारी से करते थे। हम यह सुनिश्चित करते थे कि सभी कार्य समय पर और सही तरीके से पूर्ण हों।

एक लीडर के रूप में मैंने प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन करना, शिक्षकों और साथियों के साथ समन्वय बनाए रखना तथा सभी की बातों को ध्यानपूर्वक सुनना सीखा। इस दौरान मैंने सहयोग, धैर्य और जिम्मेदारी जैसे गुणों को और अधिक गहराई से समझा।

इस अनुभव ने मुझे न केवल नेतृत्व करना सिखाया, बल्कि समय प्रबंधन और अनुशासन के महत्व को भी स्पष्ट किया। मुझे यह एहसास हुआ कि किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए टीमवर्क अत्यंत आवश्यक है।

महाविद्यालय में बिताए गए ये छह महीने मेरे जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक रहे। इस अनुभव ने मेरे व्यक्तित्व को निखारा और मुझे भविष्य की जिम्मेदारियों के लिए तैयार किया।

अंत में, मैं इस सुंदर अवसर के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य, सभी व्याख्यातागण तथा अपने सहपाठियों को दिल की गहराइयों से धन्यवाद देता हूँ।

रजत बागे
द्वितीय वर्ष 'ब'

कॉलेज में वर्क लीडर / प्रतिनिधि बनने का अनुभव

कॉलेज में वर्क लीडर/प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना मेरे लिए एक बहुत ही सीखने वाला और जिम्मेदारीपूर्ण अनुभव रहा। इस भूमिका में मुझे अपने साथियों और शिक्षकों के बीच समन्वय स्थापित करना पड़ता था। साथ ही, मुझे विभिन्न गतिविधियों और कार्यों को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने की जिम्मेदारी भी दी जाती थी।

इस दौरान मैंने नेतृत्व करना, समय का सही प्रबंधन करना तथा टीम के साथ मिलकर कार्य करना सीखा। कई बार ऐसी परिस्थितियाँ भी आईं, जब समस्याओं का तुरंत समाधान करना पड़ता था। इन अनुभवों ने मेरी निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत बनाया।

इसके साथ ही, इस अनुभव ने मेरे आत्मविश्वास को भी बढ़ाया। मैंने लोगों से संवाद करना, उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान निकालना सीखा। यह भूमिका मेरे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायक रही और इसने मेरे भविष्य के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया।

कुल मिलाकर, कॉलेज में प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना मेरे लिए एक यादगार और महत्वपूर्ण अनुभव रहा।

असित लकड़ा

वर्क लीडर / प्रतिनिधि बनने का अनुभव

दिनांक 15/11/2025 को हमारे महाविद्यालय में प्रतिनिधियों का चयन किया गया, जिसमें मुझे *उद्योग मंत्री* के रूप में चुना गया। इस पद पर रहते हुए मुझे अनेक नए अनुभव प्राप्त हुए और बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला।

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए मैंने अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी और लगन के साथ निभाया। हमारे कार्यकाल के दौरान लगभग 6 महीनों तक हमने महाविद्यालय के विभिन्न कार्यों को सुव्यवस्थित रूप से पूरा किया। इसमें कार्यक्रमों की तैयारी, आवश्यक सामग्री की व्यवस्था, परिसर की साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं का ध्यान रखना शामिल था।

हम नियमित रूप से महाविद्यालय समय से पहले पहुँचकर अपने कार्यों को पूरा करते थे। छुट्टी के बाद भी रुककर साफ-सफाई करना, फिनाइल से सफाई करना और परिसर को स्वच्छ बनाए रखना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन गया था। इन कार्यों को करते हुए हमें अपने कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी का वास्तविक अनुभव हुआ।

सीख:

- समूह के सामने बोलने का आत्मविश्वास बढ़ा।
- महाविद्यालय को साफ और व्यवस्थित रखना सीखा।
- टीमवर्क और समय प्रबंधन का महत्व समझा।
- अनुशासन और जिम्मेदारी निभाना सीखा।
- अपनी गलतियों को स्वीकार कर उनसे सीखकर आगे बढ़ना सीखा।

कुल मिलाकर, यह अनुभव मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण और यादगार हिस्सा बन गया, जिसने मेरे व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अनिमा टोप्पो
द्वितीय वर्ष 'ब'

उद्योग मंत्री के रूप में मेरा अनुभव

उद्योग मंत्री के रूप में कार्य करते हुए मुझे बहुत ही अच्छा और सीखने वाला अनुभव प्राप्त हुआ। शुरुआत में मैं थोड़ी घबराई हुई थी, क्योंकि यह मेरे लिए एक नई और बड़ी जिम्मेदारी थी। मुझे लगता था कि शायद मैं इस कार्य को सही तरीके से नहीं कर पाऊँगी, लेकिन धीरे-धीरे मैंने अपनी जिम्मेदारियों को समझा और उन्हें निभाना सीख लिया।

जब हमें पहली बार कॉलेज की चाबी सौंपी गई, तब मुझे यह सोचकर चिंता हुई कि इतनी बड़ी जिम्मेदारी को कैसे संभाल पाऊँगी। लेकिन समय के साथ मैं सब कुछ सीख गई। मेरी दिनचर्या का हिस्सा बन गया कि छुट्टी के बाद सफाई के लिए सर्फ और फिनाइल लेकर पूरे कॉलेज परिसर की सफाई करना और अंत में हॉस्टल जाकर सभी कमरों को बंद करना।

इसके साथ ही, मुझे व्याख्यातागणों की सेवा करने का भी अवसर मिला। जैसे खेलकूद प्रतियोगिताओं के दौरान उनके लिए पानी गरम करना और अन्य आवश्यक कार्यों में सहयोग करना। पहले मुझे स्टाफ रूम में जाना भी कठिन लगता था, लेकिन अब मुझे वहाँ जाकर कार्य करना सहज लगने लगा।

किसी भी कार्यक्रम के आयोजन के समय हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती थी। हमें यह सुनिश्चित करना होता था कि परिसर साफ-सुथरा रहे और कोई भी सामान इधर-उधर न हो या खो न जाए। इस कार्य में कैप्टन और अन्य साथियों का भी बहुत सहयोग मिला, जो हमेशा हमारे साथ खड़े रहे।

देखते ही देखते 6 महीनों का कार्यकाल समाप्त हो गया, लेकिन इस दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा।

सीख:

- सभी कार्य समय पर करना सीखा।
- समय का सदुपयोग करना सीखा।
- संसाधनों का सही उपयोग और बचत करना सीखा।
- जिम्मेदारियों को कर्तव्यपूर्वक निभाना सीखा।

कुल मिलाकर, यह अनुभव मेरे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण और यादगार रहा।

अनिशा एक्का
द्वितीय वर्ष 'अ'

छः माह का कार्यकाल अनुभव

मुझे हमारे महाविद्यालय (2025–26) में छः माह के लिए *Liturgy Prayer Leader* के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। जब महाविद्यालय में चुनाव प्रक्रिया चल रही थी, तब मुझे यह अनुमान नहीं था कि मैं चुना जाऊँगा। लेकिन जब मेरा नाम प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तावित हुआ, तो मुझे अपने आप पर संदेह था कि मैं यह जिम्मेदारी निभा पाऊँगा या नहीं।

फिर भी मैंने संकल्प लिया कि मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कार्य को निभाऊँगा। इसी संकल्प के साथ चुनाव प्रक्रिया पूर्ण हुई और जब सभी प्रतिनिधियों की घोषणा की गई, तो मेरा नाम भी उसमें शामिल था। अगले दिन पद ग्रहण समारोह हुआ, जिसमें मुझे *Liturgy Prayer Leader* के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। यह मेरे लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण था।

शुरुआत में मैं थोड़ा असहज था, लेकिन धीरे-धीरे मैंने अपनी जिम्मेदारियों को समझना शुरू किया। इस कार्यकाल के दौरान मैंने अनेक महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किए। मैं हमेशा अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और जिम्मेदार रहा तथा किसी भी कार्य को समय पर पूरा करने का प्रयास करता था।

इस भूमिका के दौरान मुझे प्रार्थना सभाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों में नेतृत्व करने का अवसर मिला। कई बार गानों और प्रार्थनाओं का अभ्यास कराना पड़ता था। इसके लिए मैं मोबाइल और यूट्यूब की सहायता से अभ्यास करता था, ताकि विद्यार्थियों को सही तरीके से सिखा सकूँ। धीरे-धीरे छात्र भी उत्साहपूर्वक सीखने लगे और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करने लगे।

इन सभी अनुभवों ने मुझे आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सार्वजनिक रूप से बोलने एवं प्रस्तुत करने की कला सिखाई। यह कार्यकाल मेरे लिए सीखने और व्यक्तित्व विकास का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा।

हालाँकि कुछ चुनौतियाँ भी आईं, जैसे सभी को एक साथ प्रबंधित करना और अभ्यास कराना, लेकिन सहयोग और धैर्य के साथ सभी कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हुए।

अंत में, यह कार्यकाल मेरे जीवन का एक यादगार और शिक्षाप्रद अनुभव रहा, जिसने मुझे भविष्य के लिए और अधिक सक्षम बनाया।

अनीश केरकेट्टा
द्वितीय वर्ष 'अ'

छः माह का अनुभव

Liturgical Prayer Leader

मैं, उज्ज्वल टोप्पो, PTEC द्वितीय वर्ष का प्रशिक्षु हूँ। सत्र 2025–26 के दौरान मुझे महाविद्यालय में *Liturgical Prayer Leader* के रूप में छः माह के लिए कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान मैंने जो भी सीखा और अनुभव प्राप्त किए, उन्हें मैं आप सभी के समक्ष साझा करना चाहता हूँ।

(i) चुनाव प्रक्रिया का अनुभव: जब लीडरशिप के लिए चुनाव हुआ, तो मैं अत्यंत प्रसन्न हुआ क्योंकि मुझे नेतृत्व करने का अवसर मिला। बचपन से ही मेरी नेतृत्व क्षमता में रुचि रही है, इसलिए *Liturgical Prayer Leader* के रूप में चयन होना मेरे लिए गर्व का विषय था।

(ii) शपथ ग्रहण: जिस दिन मुझे इस पद के लिए चुना गया और शपथ दिलाई गई, उसी दिन मैंने यह संकल्प लिया कि मुझे सौंपे गए कार्यों को मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाऊँगा और अपने दायित्वों को सर्वोत्तम रूप से पूरा करने का प्रयास करूँगा।

(iii) सहयोग और टीमवर्क: हमारी टीम में चार सदस्य थे, जिनमें दो छात्राएँ और हम छात्र शामिल थे। सभी ने मिलकर बहुत अच्छा सहयोग किया। हम हमेशा एक-दूसरे का समर्थन करते हुए आगे बढ़े। इस दौरान मैंने टीमवर्क, समय प्रबंधन और समन्वय का महत्व सीखा।

(iv) शिक्षकों का मार्गदर्शन: हमारे कार्यकाल में शिक्षकों का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वे हमेशा हमें सही दिशा और सुझाव देते रहे। उनकी व्यस्तता के बावजूद जब भी हम सहायता के लिए उनके पास जाते, वे हमें प्राथमिकता देते और मार्गदर्शन प्रदान करते। यह हमारे लिए प्रेरणादायक अनुभव रहा।

(v) समस्याएँ और समाधान: कार्यक्रमों के दौरान कुछ समस्याएँ भी आईं, जैसे समय पर प्रशिक्षुओं का न आना और अभ्यास में देरी होना। इससे कार्य में थोड़ी कठिनाई होती थी। भविष्य में इस पर और सुधार की आवश्यकता है ताकि सभी कार्यक्रम समय पर और सुचारू रूप से संपन्न हो सकें।

साथ ही, कुछ सामग्री और उपकरणों की कमी के कारण भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जैसे ऑर्गन (Organ) आदि का उपलब्ध न होना, जिसके कारण कई बार व्यवस्था प्रभावित हुई।

(vi) मेरा अनुभव: कुल मिलाकर यह अनुभव मेरे लिए बहुत ही अच्छा और शिक्षाप्रद रहा। मुझे नेतृत्व करने का अवसर मिला, जिस पर मुझे गर्व है। मैंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों को निभाने का प्रयास किया।

यह छह माह मेरे व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहे, जिन्होंने मुझे भविष्य की जिम्मेदारियों के लिए तैयार किया।

उज्ज्वल टोप्पो
द्वितीय वर्ष
Liturgical Prayer Leader

प्रार्थना मंत्री के रूप में मेरा अनुभव

मैं, क्रूसिता तिर्की, महाविद्यालय में प्रार्थना मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने का सौभाग्य प्राप्त कर चुकी हूँ। यह जिम्मेदारी मेरे लिए केवल एक पद नहीं थी, बल्कि मेरे व्यक्तित्व को निखारने और अपने कौशलों के विकास का एक सुनहरा अवसर भी था।

प्रार्थना मंत्री के रूप में कार्य करते हुए मैंने समय-प्रबंधन, कार्यकुशलता और अनुशासन जैसे महत्वपूर्ण गुणों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास किया। साथ ही, यह दायित्व मेरे लिए ईश्वर की कृपा प्राप्त करने का एक सुंदर माध्यम भी बना। यह कार्यकाल मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं था, जिसने मुझे प्रतिदिन नए-नए अनुभव प्रदान किए।

प्रतिदिन प्रार्थना सभा (Assembly) का संचालन करना मेरी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा था। इस दौरान मुझे मंच पर अपने विचार व्यक्त करने और दूसरों का मार्गदर्शन करने का अवसर मिला, जिससे मेरे भीतर सीखने की नई प्रेरणा जागृत हुई। अपने सहपाठियों के सामने निडर होकर बोलना और उन्हें सिखाना मेरे आत्मविश्वास, आत्मबल और मनोबल के विकास में अत्यंत सहायक रहा।

इस अनुभव ने मेरे भीतर नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया, जिससे मैं अपने कार्यों के प्रति और अधिक तत्पर और जागरूक बन सकी। यह कार्यकाल वास्तव में मेरे लिए सीखने और आत्म-विकास का एक महत्वपूर्ण चरण रहा।

अंत में, मैं अपने महाविद्यालय परिवार के सभी व्याख्याताओं एवं प्रशिक्षणार्थियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मेरे व्यक्तित्व के विकास में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया।

क्रूसिता तिर्की
द्वितीय वर्ष "अ"

मेरा छः महीने का प्रार्थना लीडर के रूप में अनुभव

प्रार्थना लीडर के रूप में मेरा यह छः महीने का कार्यकाल मेरे लिए मिला-जुला अनुभव रहा—कुछ बातें बहुत अच्छी लगीं, तो कुछ ने मुझे सीख भी दी।

अच्छा इसलिए लगा क्योंकि मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इस जिम्मेदारी के योग्य हूँ। जब मेरा नाम सूची में आया और मुझे यह कार्यभार सौंपा गया, तो मुझे बहुत खुशी हुई, लेकिन साथ ही मन में डर भी था कि मैं इसे ठीक से निभा पाऊँगी या नहीं। शुरुआत में आत्मविश्वास की कमी महसूस हुई, पर धीरे-धीरे मैंने अपने डर पर काबू पाया। मुझे अपने साथियों का अच्छा सहयोग मिला, जिससे मेरा मनोबल बढ़ा और मैं अपने कार्य को बेहतर तरीके से कर पाई।

वहीं, कुछ अनुभव ऐसे भी रहे जो चुनौतीपूर्ण थे। कभी-कभी मुझे ऐसा लगा कि अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है और कुछ लोग केवल अपने तक ही सीमित रहते हैं। इस वजह से मुझे यह एहसास हुआ कि जीवन में हर कार्य स्वयं की मेहनत और दृढ़ निश्चय से ही पूरा किया जा सकता है। इस अनुभव ने मुझे आत्मनिर्भर बनने और अपने ऊपर विश्वास करने की प्रेरणा दी।

बीच-बीच में मुझे यह भी लगा कि शायद मैं इस जिम्मेदारी के योग्य नहीं हूँ, लेकिन ईश्वर की कृपा और अपने प्रयासों के कारण अंततः सब कुछ अच्छे से पूरा हुआ। इस पूरे कार्यकाल ने मुझे बहुत कुछ सिखाया और मेरे व्यक्तित्व को मजबूत बनाया।

अनामिका कुल्लू

Experience as an Art & Craft Leader

My experience as an Art & Craft Leader was both challenging and rewarding. At the beginning, I often doubted myself and questioned whether I was truly fit for this role. I was afraid and unsure, but when I was given this opportunity, I decided to give my best effort.

Whenever any programme approached, I used to feel stressed and worried about whether all the arrangements would go well or not. Our main responsibilities included managing the entire decoration, preparing badges, making cards, and handling various creative works. Among all these tasks, searching for new and unique ideas for each programme was the most difficult part.

There were times when I felt frustrated, especially when I struggled to complete everything on time or when ideas did not come easily. However, seeing the final result always made me happy and satisfied. I would carefully observe every detail, checking whether everything was placed correctly. If something was not right, I felt a strong urge to fix it immediately.

During my time as a leader, I made several mistakes, which sometimes made me feel disappointed. But with the help and support of my team members, I was able to correct them and move forward. This experience taught me many important lessons such as time management, planning, teamwork, and cooperation.

It also helped me improve my confidence, leadership qualities, creativity, and communication skills. Overall, this journey has been a valuable learning experience that has contributed greatly to my personal growth.

Leema Tirkey

आर्ट एंड क्राफ्ट लीडर के रूप में मेरा अनुभव

आर्ट एंड क्राफ्ट लीडर के रूप में कार्य करते हुए मुझे बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। मेरे भीतर जो कला थी, उसे मैं दूसरों के सामने प्रस्तुत कर पाई और साथ ही अपने साथियों से भी बहुत कुछ नया सीखने को मिला। मेरी कला को पहचानकर मुझे यह सुंदर अवसर दिया गया, जिससे मुझे अत्यंत खुशी हुई।

जब भी कोई कार्यक्रम आयोजित होता था, तो उसे सफल बनाने के लिए हम पूरी मेहनत से कार्य करते थे। कार्यक्रम के दौरान जब सब कुछ अच्छे से हो जाता था और सभी खुश होते थे, तो हमें बहुत संतोष मिलता था। हालांकि, तैयारी के समय हमें काफी तनाव भी होता था, लेकिन अंत में सब कुछ अच्छे से संपन्न हो जाता था।

हमारा अधिकांश कार्य क्राफ्ट रूम में ही होता था, जहाँ हम विभिन्न सजावट और रचनात्मक कार्यों को तैयार करते थे। कभी-कभी जब हमें किसी कार्य के लिए शिक्षकों की आवश्यकता होती थी, तो वे तुरंत उपलब्ध नहीं हो पाते थे, जिससे थोड़ी कठिनाई भी होती थी। फिर भी, हम अपने प्रयासों से कार्य को पूरा करने का प्रयास करते थे।

मैं अपने सभी शिक्षकों का हृदय से धन्यवाद करती हूँ, जिन्होंने हमें मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया। उनके सहयोग से ही हम अपने कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर पाए।

समय कैसे बीत गया, पता ही नहीं चला और देखते ही देखते ये छह महीने पूरे हो गए। यह अनुभव मेरे लिए बहुत ही यादगार और सीख से भरा रहा।

मुस्कान लकड़ा

एक दौर - नेतृत्व का

हम थे अनजाने से थोड़े बेगाने से

हाथों में सपने सजाये दीवाने से

यूँ तो पता न था जिम्मेदारी की भार का

क्योंकि हम तो ठहरे आजाद परिंदा

अनजाने हैं इस जुल्मी जमाने से

मैं, सचिन मराण्डी, ने आर्ट एंड क्राफ्ट लीडर के रूप में छह महीनों तक नेतृत्व किया। इस दौरान मुझे अनेक अनुभव प्राप्त हुए, जिन्होंने मेरे जीवन जीने के नजरिए को बदल दिया। इस नेतृत्व के माध्यम से मेरे भीतर अपने कार्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठा, सजगता और जिम्मेदारी जैसे गुणों का विकास हुआ।

विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करना तथा उन्हें सजाना-संवारना मेरे लिए सीखने का एक बेहतर अवसर रहा। शुरुआत में यह जिम्मेदारी मेरे लिए थोड़ी भारी लगती थी, लेकिन धीरे-धीरे मैं इस कार्य में रुचि लेने लगा और मुझे इसमें आनंद आने लगा।

यह नेतृत्व मेरे लिए एक सुनहरा अवसर सिद्ध हुआ, जिसने मेरे अंदर नेतृत्व करने की क्षमता को जागृत किया। अब मुझे विश्वास है कि मैं जहाँ भी रहूँगा, वहाँ अपनी नेतृत्व क्षमता का सही उपयोग कर सकूँगा।

अंत में, मैं अपने महाविद्यालय का हृदय से आभारी हूँ, जिसने मुझे इस प्रकार का अवसर प्रदान किया। यह अनुभव मेरे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक रहा।

ख्वाबों से नहीं जमाने से डरते हैं'

एक डर है जो इस जमाने से छुपाए बैठे हैं

क्या करूँ उस कामयाबी का जिसमें

अपनापन न हो

इसलिए दोस्ती-ए-यारी साथ लेके चलते हैं

सचिन मराण्डी

खेल एवं अनुशासन लीडर के रूप में मेरा अनुभव

खेल एवं अनुशासन लीडर के रूप में मेरा यह कार्यकाल मेरे लिए एक नया और महत्वपूर्ण अनुभव रहा। जब शुरुआत में इस पद के लिए मेरा नाम लिया गया, तो मैं थोड़ा घबराया हुआ था, क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि यह जिम्मेदारी मेरे लिए कैसी होगी। मन में कई शंकाएँ थीं, लेकिन साथियों के सहयोग ने मुझे संभाले रखा।

जब चुनाव का परिणाम आया और उसमें मेरा नाम शामिल था, तब मैंने इस जिम्मेदारी को आत्मविश्वास के साथ स्वीकार किया। यह अनुभव मुझे यह सिखाता है कि जीवन में सफलता पाने के लिए नए अवसरों को स्वीकार करना और उनसे सीखना बहुत आवश्यक है।

इस पद के माध्यम से मुझे खेल के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलीं, जैसे—खेलों के नियम, प्रतियोगिताओं का आयोजन, और खेल के लिए मैदान को तैयार करने की प्रक्रिया। ये सभी अनुभव मेरे लिए बहुत उपयोगी रहे।

मेरे सभी सहयोगी बहुत अच्छे थे। हम सब एक-दूसरे की मदद करते थे और हमारे बीच सहयोगात्मक भावना बनी रहती थी। किसी भी कार्य से संबंधित हम आपस में चर्चा करते थे, जिससे कार्य को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके। विशेषकर खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी के दौरान हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल और सहयोग देखने को मिला।

हमारे पूर्व लीडरों ने भी हमें मार्गदर्शन दिया और हर कदम पर सहायता की, जिससे हमारा कार्य और भी सुगम हो गया।

अंत में, मैं अपने महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय, सभी शिक्षकगण एवं अपने सहपाठियों का हृदय से धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने मुझे यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी। इस अनुभव ने मेरे भीतर आत्मविश्वास को बढ़ाया और मुझे यह विश्वास दिलाया कि मैं भविष्य में भी इस प्रकार की जिम्मेदारियों को निभा सकता हूँ।

मार्शल टुडु
द्वितीय वर्ष 'ब'

गेम्स एंड स्पोर्ट्स लीडर के रूप में मेरा अनुभव

मेरे महाविद्यालय में मुझे उप-खेल प्रतिनिधि (Games & Sports Leader) के रूप में छः महीनों के लिए चुना गया। मैंने इस जिम्मेदारी को सहर्ष स्वीकार किया और पूरे मन से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। इस पद पर रहते हुए मुझे बहुत सारे महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुए।

इस दौरान मुझे यह समझ में आया कि खेल के साथ-साथ अनुशासन का पालन करना और दूसरों को भी अनुशासित रखना कितना आवश्यक है। मेरे सभी साथियों के सहयोग से हम इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर सके। इस अनुभव से मैंने सीखा कि किसी भी कार्य को सफल बनाने के लिए टीमवर्क और सबका साथ बहुत जरूरी होता है।

इस कार्यकाल में मुझे खेल सामग्रियों का सही तरीके से रख-रखाव करना, उनका हिसाब-किताब रजिस्टर में व्यवस्थित रूप से दर्ज करना और उनकी देखभाल करना भी सीखने को मिला। यह मेरे लिए एक नया और उपयोगी अनुभव था।

सबसे महत्वपूर्ण अनुभव यह रहा कि मैंने वार्षिक खेल प्रतियोगिता (Sports Meet) का आयोजन करना सीखा। इसके अंतर्गत मैदान की तैयारी, विभिन्न खेलों के नियमों को समझना और पूरे कार्यक्रम का संचालन करना मेरे लिए बहुत ही सीखने योग्य रहा।

खेल गतिविधियों के दौरान मैंने समय का पालन करना, अनुशासन में रहना और सभी कार्यों को सही समय पर पूरा करना सीखा। इस प्रकार, मेरा यह छः महीनों का कार्यकाल बहुत ही उपयोगी और सीख से भरा रहा।

अंत में, मैं अपने महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं साथियों का धन्यवाद करता हूँ, जिनके सहयोग से मैं इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभा सका।

अरनेस्ट भेंगरा

खेल मंत्री के रूप में मेरा अनुभव

हमारे महाविद्यालय में छात्र प्रतिनिधियों का चुनाव हुआ, जिसमें मेरा चयन खेल विभाग के लिए किया गया। मैंने इस जिम्मेदारी को सहर्ष स्वीकार किया। मैंने अपने कार्य को बोझ नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण दायित्व के रूप में निभाने का प्रयास किया।

यह पद मेरे लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि अपनी क्षमता को पहचानने और उसे निखारने का एक अवसर था। शुरुआत में यह कार्य थोड़ा कठिन लगा, लेकिन धीरे-धीरे मैं इसके साथ सहज होती गई।

इस कार्यकाल के दौरान मैंने खेलों से संबंधित बहुत-सी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। साथ ही, नई खेल सामग्रियों के बारे में भी मुझे जानकारी मिली। इससे खेलों के प्रति मेरी रुचि और अधिक बढ़ी तथा मैं इन गतिविधियों में और अधिक सक्रिय हो गई।

यह कार्यकाल मेरे जीवन का एक यादगार अनुभव बन गया, जिसने मुझे बहुत कुछ सिखाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

प्रीति केरकेट्टा

स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मेरा अनुभव

हमारे कॉलेज में छात्र प्रतिनिधियों का चुनाव हुआ, जिसमें मुझे स्वास्थ्य मंत्री के रूप में चुना गया। मैंने इस पद को सहर्ष स्वीकार किया।

शपथ ग्रहण के बाद मुझे एहसास हुआ कि अब कॉलेज से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी मेरे ऊपर है, जिससे मैं थोड़ा घबरा गया था। मन में यह भी डर था कि मैं इस कार्य को ठीक से कर पाऊँगा या नहीं।

यह छह महीनों का कार्यकाल मेरे लिए एक नया अनुभव था। शुरुआत में कठिनाई हुई, लेकिन धीरे-धीरे मैं इस काम में सहज हो गया। इस दौरान मुझे दवाइयों और स्वास्थ्य संबंधी कार्यों की भी जानकारी मिली, जो पहले मुझे नहीं थी।

इस अनुभव ने मुझे जिम्मेदारी, सेवा भावना और आत्मविश्वास सिखाया। मैंने अपने सहपाठियों की सहायता करने का पूरा प्रयास किया।

रॉबिन किंडो

खेल प्रतिनिधि के रूप में मेरा अनुभव

मुझे हमारे PTEC महाविद्यालय में लगभग छह महीनों तक खेल प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान मुझे खेल के क्षेत्र में कार्य करने, अनुशासन बनाए रखने तथा नेतृत्व करने का एक सुनहरा मौका मिला। इस कार्यकाल में मैंने बहुत कुछ नया सीखा और अनेक महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किए।

मेरे लिए यह समय अत्यंत खुशी देने वाला रहा, क्योंकि मुझे विभिन्न खेल गतिविधियों—जैसे वार्षिक खेलकूद, 15 अगस्त, 26 जनवरी तथा दैनिक कार्यक्रमों—में सक्रिय रूप से भाग लेने और उन्हें व्यवस्थित रूप से संचालित करने का अवसर मिला। इन सभी कार्यों में मुझे अपने सह-प्रशिक्षुओं का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

मुझे आज भी वह पल याद है जब मुझे खेल प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया और शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। उस समय मेरे मन में खुशी के साथ-साथ थोड़ी घबराहट भी थी। खुशी इस बात की थी कि मुझे खेल के क्षेत्र में नेतृत्व करने और नई चीजें सीखने का अवसर मिलेगा, वहीं डर इस बात का था कि मैं अपनी जिम्मेदारियों को सही ढंग से निभा पाऊँगी या नहीं।

विशेष रूप से वार्षिक खेलकूद के दौरान मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैंने जाना कि विद्यालय में खेलकूद का आयोजन किस प्रकार से किया जाता है, मैदान की तैयारी कैसे की जाती है और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है। यह अनुभव मेरे भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

शुरुआत में मैं खेल के क्षेत्र में उतनी अनुभवी नहीं थी, लेकिन मैं और मेरे अन्य तीनों सह-प्रतिनिधियों ने मिलकर अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाया। इस दौरान हमारे व्याख्याता, विशेषकर नीरज सर, अन्य शिक्षकगण तथा पूर्व खेल प्रतिनिधियों का भी हमें पूरा मार्गदर्शन और सहयोग मिला।

अंत में, मैं अपने प्राचार्य महोदय, सभी व्याख्याताओं तथा अपने सह-प्रशिक्षुओं का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके सहयोग से हम सभी खेल से संबंधित कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर सके। यह अनुभव मेरे जीवन के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और यादगार रहेगा।

तनवी केरकेट्टा

स्वास्थ्य सहायक मंत्री के रूप में मेरा छः माह का अनुभव

महाविद्यालय में स्वास्थ्य सहायक मंत्री के रूप में मेरा छह महीनों का कार्यकाल मेरे लिए एक नया और सीख से भरा अनुभव रहा। जब मेरा चयन इस पद के लिए हुआ, तो मुझे एक ओर खुशी हुई और दूसरी ओर थोड़ा डर भी लगा। खुशी इस बात की थी कि मुझे अपने सह-प्रशिक्षुओं की सेवा करने का अवसर मिला, और डर इस बात का था कि मैं इस जिम्मेदारी को सही ढंग से निभा पाऊँगी या नहीं।

इस कार्यकाल के दौरान मुझे विभिन्न कार्यक्रमों में विशेष ध्यान देना पड़ता था, जैसे—खेलकूद प्रतियोगिता, वृक्षारोपण तथा अन्य गतिविधियाँ। इन अवसरों पर यदि किसी को चोट लग जाती थी, तो उनके घाव पर दवा लगाना और पट्टी बांधना मेरी जिम्मेदारी होती थी, जिसे मैं पूरी लगन से निभाती थी। यह कार्य करते समय मुझे दूसरों की सेवा करने में बहुत संतोष और खुशी मिलती थी।

शुरुआत में मुझे दवाइयों के बारे में अधिक जानकारी नहीं थी, क्योंकि मुझे स्वयं दवाइयाँ लेना भी ज्यादा पसंद नहीं था। लेकिन जब प्रशिक्षुओं को दवाइयों की आवश्यकता होती थी, तो मैं दवाइयों के नाम पढ़कर उन्हें आवश्यकतानुसार देने का प्रयास करती थी, जैसे—बुखार, जुकाम, पेट दर्द और सिर दर्द की दवाइयाँ। धीरे-धीरे मेरी रुचि इस क्षेत्र में बढ़ने लगी और मुझे नई-नई बातें सीखने को मिलीं।

इस जिम्मेदारी ने मुझे यह सिखाया कि सेवा भावना के साथ कार्य करना कितना महत्वपूर्ण है। मुझे यह अनुभव हुआ कि मैं दूसरों की सहायता अच्छे से कर सकती हूँ और उनके लिए उपयोगी बन सकती हूँ।

अंत में, मैं अपने महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण और साथियों का हृदय से धन्यवाद करती हूँ, जिनके सहयोग से मैं इस दायित्व को सफलतापूर्वक निभा सकी। यह अनुभव मेरे जीवन के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और यादगार रहेगा।

अलका कन्डुलना
द्वितीय वर्ष "अ"

Health and Hygiene Leader का अनुभव

कॉलेज में Health and Hygiene Leader बनना मेरे लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण और सीख से भरा अनुभव था। इस कार्यकाल ने मुझे अंदर से काफी बदल दिया और मेरे व्यक्तित्व को निखारने में मदद की।

इस भूमिका में मुझे हमेशा सतर्क रहना पड़ता था, क्योंकि कभी भी किसी की तबीयत खराब हो सकती थी। कई बार मुझे सहपाठियों को सामान्य दवाइयाँ देनी पड़ती थीं, तो कभी अचानक तबीयत बिगड़ने पर तुरंत सहायता करनी पड़ती थी। ऐसे समय में थोड़ी घबराहट तो होती थी, लेकिन साथ ही यह एहसास भी होता था कि मेरी छोटी-सी मदद किसी के लिए बहुत बड़ी राहत बन सकती है।

कभी किसी को मलेरिया की समस्या होती थी, तो कभी किसी को पेट दर्द या अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होती थी। ऐसे समय में तुरंत सही कदम उठाना और उनकी सहायता करना मेरी जिम्मेदारी थी। मैं हमेशा यही प्रयास करता था कि हर किसी को समय पर मदद मिले और वे जल्दी स्वस्थ हो जाएँ।

इस दौरान मैंने लोगों की समस्याओं को समझना, शांत रहकर निर्णय लेना और सही समय पर सहायता करना सीखा। कई बार कठिन परिस्थितियाँ भी आईं, लेकिन हर अनुभव ने मुझे कुछ नया सिखाया और मुझे और अधिक मजबूत बनाया।

यह अनुभव मेरे कॉलेज जीवन का एक बहुत ही खास और यादगार हिस्सा रहेगा, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूँगा।

जिमी एक्का
द्वितीय वर्ष 'ब'

स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मेरा अनुभव

15/11/25 को हमारे महाविद्यालय के सभी प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण हुआ, और उसी दिन से हमें महाविद्यालय की विभिन्न जिम्मेदारियाँ सौंपी गई। मुझे स्वास्थ्य मंत्री के रूप में चयनित किया गया।

शुरुआत में मेरे मन में बहुत डर था। मुझे लगता था कि जो कार्य मुझे दिया गया है, क्या मैं उसे पूरी लगन और ईमानदारी से कर पाऊँगी या नहीं। विशेषकर प्राचार्य महोदय के कार्यालय में जाने से मुझे डर लगता था, लेकिन मैंने हिम्मत करके धीरे-धीरे अपने डर पर काबू पाया।

समय के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया और मैं लोगों की सेवा करने में सक्षम होने लगी। शुरुआत में मुझे दवाइयों और उनके उपयोग के बारे में अधिक जानकारी नहीं थी, लेकिन धीरे-धीरे मैंने बहुत कुछ सीखा। मैं जितना भी संभव हो सका, लोगों की सेवा करने का प्रयास करती रही।

इस दौरान मुझे अपने शिक्षकों का भी पूरा सहयोग मिला। उनके मार्गदर्शन से ही मैं बीमार प्रशिक्षुओं की सही देखभाल कर पाई।

इस पद पर कार्य करते हुए मुझे बहुत खुशी और संतोष मिला। मेरे समूह के सभी सदस्यों का भी अच्छा सहयोग रहा, जिससे हम अपने कर्तव्यों को सफलतापूर्वक निभा सके।

सुनीता लुगुन

अनुभव – Flower Garden Leader के रूप में

मैं, आकाश एक्का, 2nd Year 'B' का छात्र हूँ। मुझे Flower Garden Leader के रूप में चुना गया, जो मेरे लिए एक बहुत ही अच्छा और सीख से भरा अनुभव रहा।

इस कार्यकाल में मुझे यह सीखने को मिला कि किस मौसम में कौन-से पौधे और फूल लगाए जाने चाहिए। मुझे पौधों की देखभाल, उनकी कटाई (cutting) और सही समय पर उनकी देखभाल करने की जानकारी भी प्राप्त हुई। इसके साथ ही मैंने यह भी सीखा कि पौधों को किस प्रकार सही तरीके से विकसित किया जाता है।

इस दौरान मैंने यह भी समझा कि छोटे पौधों की देखभाल एक छोटे बच्चे की तरह करनी चाहिए, ताकि वे अच्छे से बढ़कर एक सुंदर पौधा बन सकें। नियमित देखभाल और सही समय पर ध्यान देने से पौधे स्वस्थ रहते हैं।

यह अनुभव मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि इससे मुझे प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का एहसास हुआ। साथ ही, इससे मुझे यह भी प्रेरणा मिली कि जिस तरह पौधों को सही देखभाल से बड़ा किया जाता है, उसी तरह बच्चों को भी अच्छे संस्कार और शिक्षा देकर उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण किया जा सकता है, क्योंकि हम लोग शिक्षक बनने वाले हैं।

आकाश एक्का

Flower Gardening Leader के रूप में मेरा अनुभव

मैं, सिगिन मुण्डा, प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, गुड़वा (सीतागढ़, हजारीबाग), सत्र 2024-2026 का नियमित प्रशिक्षणार्थी हूँ। मुझे द्वितीय वर्ष में Flower & Gardening Leader के रूप में कार्यभार दिया गया। इस छह माह के कार्यकाल में मैं अपना अनुभव साझा कर रहा हूँ।

इस अवधि में मैंने महाविद्यालय परिसर की फुलवारी की देखभाल पूरी ईमानदारी और लगन के साथ की। इस कार्य के माध्यम से मुझे विभिन्न प्रकार के मौसमी फूलों और पौधों के बारे में जानने का अवसर मिला। मैं प्रतिदिन समय पर पौधों को पानी देता था, जिससे फुलवारी में सुंदर और रंग-बिरंगे फूल खिलने लगे और महाविद्यालय परिसर की सुंदरता और अधिक बढ़ गई।

इस कार्य में मुझे फा० अनिश का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उनके दिशा-निर्देश में विभिन्न मौसमों में खिलने वाले फूलों के पौधे लगाए जाते थे और मैं उनकी नियमित देखभाल करता था।

Flower & Gardening Leader के रूप में कार्य करते हुए मुझे प्रकृति और पौधों के महत्व को समझने का अवसर मिला। यह प्रशिक्षण काल मेरे लिए एक सुनहरा अनुभव रहा, क्योंकि मैं एक शिक्षक बनने की तैयारी कर रहा हूँ और शिक्षा संस्थानों में फुलवारी का विशेष महत्व होता है। इससे विद्यालय की सुंदरता बढ़ती है और विद्यार्थियों में भी पौधारोपण के प्रति रुचि और प्रेरणा उत्पन्न होती है।

फूलों के बीच कार्य करने से मन को शांति और खुशी मिलती है। यह कार्य मेरे लिए अत्यंत उपयोगी और यादगार अनुभव रहा।

सिगिन मुण्डा

Sound and Light Leader के रूप में मेरा अनुभव

कॉलेज में Sound and Light Leader के रूप में मेरा अनुभव बहुत ही सीखने योग्य और रोचक रहा। इस भूमिका में मैंने विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान साउंड सिस्टम और लाइटिंग की जिम्मेदारी संभाली।

शुरुआती दिनों में मुझे कुछ तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा, लेकिन धीरे-धीरे मैंने उपकरणों को सही तरीके से संचालित करना सीख लिया। इस 6–7 महीने के कार्यकाल में मैंने अपने कार्य को पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ करने का प्रयास किया।

इस दौरान कॉलेज में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सेमिनारों और वार्षिक उत्सव के समय मुझे साउंड सिस्टम और लाइटिंग की पूरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती थी। इसमें माइक, स्पीकर, प्रोजेक्टर संचालन, तथा PPT तैयार करना और विभिन्न प्रकार के सेटअप करना शामिल था।

शुरुआत में कई तकनीकी समस्याएँ आईं, जैसे अचानक माइक का काम न करना, लैपटॉप का हैंग हो जाना आदि। इन परिस्थितियों के लिए मुझे पहले से तैयारी करनी पड़ती थी और तुरंत समाधान निकालना सीखना पड़ा।

इस अनुभव ने मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाया और जिम्मेदारी निभाने का महत्व समझाया। मेरे टीम के सदस्यों ने भी मुझे पूरा सहयोग दिया, जिससे मैं अपने कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर सका।

Sound and Light Leader के रूप में यह अनुभव मेरे व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत उपयोगी रहा और भविष्य में यह मेरे लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

अनीश कुमार पासवान

Sound and Light Leader का अनुभव

मैं, आकाश तिर्की, महाविद्यालय में Sound and Light Leader (बिजली विभाग के प्रतिनिधि) के रूप में चयनित हुआ। यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था, क्योंकि इससे पहले मुझे इस क्षेत्र का अधिक ज्ञान नहीं था। इस कार्य से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

शुरुआत में मैंने साउंड सिस्टम के संचालन के बारे में सीखा। इसके बाद मुझे कंप्यूटर में PPT बनाना, उसे डिजाइन करना, माइक सेट करना, साउंड मिक्सिंग करना तथा प्रोजेक्टर चलाना जैसे कार्यों का अनुभव प्राप्त हुआ। साथ ही गाना बजाने और कार्यक्रमों में तकनीकी सहायता देने का भी अवसर मिला।

इन सभी अनुभवों ने मेरे ज्ञान और आत्मविश्वास को बढ़ाया। मैंने सीखा कि किस प्रकार तकनीकी कार्यों का उपयोग करके किसी कार्यक्रम को सफल बनाया जा सकता है। इस कार्यकाल ने मुझे यह प्रेरणा दी कि मैं भविष्य में एक मॉडल शिक्षक बनूँ और अपने सभी सीखे हुए कौशलों का उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में कर सकूँ।

मैंने अपने कार्यों के माध्यम से महाविद्यालय को हर संभव सहयोग देने का प्रयास किया।

आकाश तिर्की

नए छात्र-प्रतिनिधियों का अपने कामों, जिम्मेदारियों एवं चुनौतियों के प्रति समर्पण

शपथ-ग्रहण

कॉलेज कैप्टन बनने का प्रेरणादायक अनुभव

कहा जाता है कि जब तक किसी इंसान के कंधों पर जिम्मेदारियाँ नहीं आतीं, तब तक वह एक स्वतंत्र और बेपरवाह जीवन जीता है। मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। मैं हॉस्टल और कॉलेज में अपने कार्यों को निश्चिंत होकर पूरा कर रही थी।

फिर एक दिन ऐसा आया जब मुझे कॉलेज प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तावित किया गया। यह सुनकर मैं थोड़ा घबरा गई और कुछ समय के लिए शांत हो गई। मन में कई सवाल उठ रहे थे—क्या मैं इस जिम्मेदारी को सही ढंग से निभा पाऊँगी? फिर भी मैंने साहस जुटाया और इस पद को स्वीकार करने का निर्णय लिया।

चुनाव का दिन आया, और हम सभी ने अपना बहुमूल्य वोट दिया। उस समय मैं बहुत असमंजस में थी। मुझे खुद पर पूरा विश्वास नहीं हो पा रहा था कि क्या मैं इस पद के योग्य हूँ। मन में डर और उत्सुकता दोनों थे।

अगले दिन जब चुनाव परिणाम घोषित हुआ, तो सभी मुझे बधाई देने लगे—"बधाई हो, आप कॉलेज कैप्टन बन गई हैं।" यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई, लेकिन साथ ही एक जिम्मेदारी का एहसास भी हुआ।

तभी मैंने खुद से कहा कि जब तक इंसान पर जिम्मेदारियाँ नहीं आतीं, तब तक उसमें वास्तविक बदलाव नहीं आता। अब मैंने निश्चय किया कि मैं इस पद की सभी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी, लगन और निष्ठा के साथ निभाऊँगी। साथ ही, अपने सभी सह-प्रतिनिधियों के सहयोग से कॉलेज के हर कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने का प्रयास करूँगी।

यह अनुभव मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने मुझे आत्मविश्वास, नेतृत्व और जिम्मेदारी का सही अर्थ सिखाया।

निभा खलखो
प्रथम वर्ष 'अ'

लीडरशीप का पहला अनुभव

लीडर का होना किसी भी बड़े टीम का
नेतृत्व करने के लिए है बहुत जरूरी
क्योंकि बिना लीडर का वह टीम बन जाता है भीड़
और उस बड़े टीम में लीडर बनना,
बड़े ही सौभाग्य की है बात।

हमारे कॉलेज में भी थी इस पूरे,
टीम को चलाने के लिए एक लीडर टीम की।
नामों के प्रस्तावों ने सभी को डाला,
दिया था बड़े ही अचरज में
काम था सभी का अच्छे लीडर का करे चुनाव,
डाला सभी ने वोट अपनी पसंद के,
लीडर के लिए।

रिजल्ट के आते ही सब हो गए खुश
सभी ने अपनी पंसद की लीडर का किया था चुनाव
नाम थे जिनके उस कागज के पन्नों में
नोटिस बोर्ड पर लटका नाम अपना देख अचरज में पड़ गए सब
उनमें से एक थी मैं भी जो अपना नाम देख
आश्चर्य में पड़ गई और क्यों न होती भी
क्योंकि मैं अपने जीवन में आज तक लीडरशीप
का कार्य किया ही नहीं और खुद को न समझा था इस लायक,
परन्तु मेरे सहपाठियों संग सीनियरों ने बना दिया मुझे इस टीम का हिस्सा।

चुने गए तो आगे इस कार्य भार को तो संभालना ही है।
हाथों में मोमबत्ती लिये सभी ने इस,
पद का लिया शपथ पूरे कॉलेज के सामने।
किया हमने दृढ़ संकल्प - कि अपने
नेतृत्व से करेंगे हम हमारे कॉलेज का नाम रोशन
करेंगे कार्य हम सभी के हित के लिए पूरे
जिम्मेदारी, निःस्वार्थ भाव से तथा बिना किसी पक्ष-पाती के।

मैं चुनी गई Art & Craft के लिए
इस पद के लिए हम है चार सदस्य
हम चारों मिलकर कॉलेज के समी कार्यक्रमों में अपनी उस सुन्दर कला से
और अधिक निखारने करेंगे प्रयास
आशा करते है इस सुनहरे अवसर को निमाने का सहयोग एवं प्रोत्साहन
सदा
हमें मिलता रहें सबों से।

सचमुच यह कॉलेज सभी को खुद की देता है पहचान।

अनुभा टोप्पो
प्रथम वर्ष 'अ'

चुनाव का अनुभव

खिल खिलाते धूप और
गर्मियों के साथ, जिम्मेदारियाँ आयी
पहुंच गया वह दिन
जब नये प्रतिनिधियों का हुआ चुनाव।

इस चुनाव से मैं थी अनजान,
हैरान रह गई वोटिंग लिस्ट में,
देखकर अपना नाम।

बिना वोटर आईडी के भी
बहुतों ने दिया वोट और
सक्षम प्रतिनिधियों को जिताया वोट।

जीते प्रतिनिधियों ने लिया प्रण,
कि ईमानदारी, अनुशासन और
पूरी कर्तव्यनिष्ठा पूर्वक,
सभी प्रशिक्षुओं के हित और
महाविद्यालय के सम्मान के
लिए करेंगे काम।

भारी मतों से जीते प्रतिनिधियों ने
अग्नि को साक्षी मानकर और
बैच पहनकर अपने पदों और
जिम्मेदारियों को किया स्वीकार।

दवाईयों से परिचित होकर
बन गई मैं महाविद्यालय की नर्स।

असियन एक्का
प्रथम वर्ष 'अ'

Game & Sports Vice Leader बनने का अनुभव

मैं बहुत खुश हूँ क्योंकि सभी प्रशिक्षुओं ने अपने बहुमूल्य वोट (अपने स्नेह और विश्वास) से मुझे *Game & Sports Vice Leader* के पद के लिए चुना है। इस पद को प्राप्त कर मैं अत्यंत उत्साहित हूँ। मुझे खेलों के प्रति विशेष लगाव और प्रेम है, और मेरा मानना है कि हमारा महाविद्यालय न केवल शिक्षा, बल्कि खेलों के क्षेत्र में भी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है।

मैं इस पद पर रहकर पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूंगा। मुझे आशा है कि इस भूमिका के माध्यम से मैं खेलों के बारे में बहुत कुछ सीखूंगा, अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ूंगा, और अन्य साथियों को भी खेलों के प्रति प्रेरित कर सकूंगा।

अंत में, मैं सभी प्रशिक्षुओं का हृदय से धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने मुझे इस योग्य समझा और मुझ पर विश्वास किया।

पौलुस हांसदा
प्रथम वर्ष 'अ'

फुलवारी मंत्री के रूप में मेरा अनुभव

मैं अत्यंत खुश हूँ कि मुझे महाविद्यालय में फुलवारी मंत्री के रूप में चुना गया है। इस जिम्मेदारी के लिए मैं पहले से ही तैयार था, क्योंकि मुझे फूलों से विशेष लगाव है। फूल मुझे बहुत सुंदर और आकर्षक लगते हैं, इसलिए इस विभाग में कार्य करना मेरे लिए गर्व और खुशी की बात है।

एक किसान का बेटा होने के कारण मुझे प्रकृति और पौधों के प्रति स्वाभाविक प्रेम है। इसी कारण मुझे विश्वास है कि मैं इस विभाग की जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभा सकूँगा। इस कार्य में मुझे किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी, बल्कि यह मेरे लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक अच्छा अवसर है।

मैंने संकल्प लिया है कि महाविद्यालय परिसर में लगे सभी फूलों और पौधों के नामों को जानने का प्रयास करूँगा तथा उनकी उचित देखभाल करूँगा। साथ ही, मैं यह भी प्रयास करूँगा कि महाविद्यालय का प्रांगण रंग-बिरंगे फूलों से सुसज्जित और आकर्षक बने।

मुझे खुशी है कि मुझे इस प्रकार की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं अपने कार्य को पूरी निष्ठा, लगन और जिम्मेदारी के साथ निभाने का प्रयास करूँगा।

अंकित कुल्लू
प्रथम वर्ष 'अ'

Experience as Electricity and Sound System Leader

Being chosen as the Electricity and Sound System Leader is a great opportunity for me. It is like a golden chance to develop my skills and prove my abilities. I feel proud of myself that my seniors and teachers trusted me and selected me for this responsibility.

In the beginning, I felt a little nervous, but at the same time I was very happy and thankful. From the day of the representative selection, I made a promise that I would be faithful to my duties and work sincerely for everyone.

I would like to express my heartfelt gratitude to our Principal, teachers, and my batchmates for believing in me and giving me this wonderful opportunity. This role has encouraged me to learn new things and to help others whenever needed.

I am ready to carry out my responsibilities with honesty and dedication. For the next six months, I will work selflessly and try my best to fulfil all my duties properly.

Avinash Toppo
First Year 'B'

अनुभव

एक प्रतिनिधि बनने का मेरा अनुभव बहुत ही अलग और विशेष रहा है। इसमें खुशी के साथ-साथ थोड़ा डर भी शामिल था। मज़े की बात यह है कि जिस दिन प्रतिनिधियों के लिए मेरा नाम प्रस्तावित किया गया, उस दिन मैं अनुपस्थित थी। बाद में जब मुझे इस बारे में पता चला, तो मैं हैरान भी हुई और थोड़ी घबराई भी।

चुनाव का समय आया, और सभी प्रशिक्षु अपने-अपने पसंदीदा उम्मीदवारों को वोट दे रहे थे। मैं भी उत्सुकता से परिणाम का इंतज़ार कर रही थी। जब चुनाव का परिणाम घोषित हुआ और मैंने अपना नाम देखा, तो मुझे बहुत खुशी हुई। सभी साथियों ने मुझे बधाइयाँ दीं, जिससे मेरा उत्साह और भी बढ़ गया।

यदि जिम्मेदारी की बात करें, तो पहले हम काफी बेफिक्र रहते थे, लेकिन अब इस पद के साथ मुझे स्वयं को एक योग्य प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करना है। प्रशिक्षुओं ने मुझे *उद्योग लीडर* के रूप में चुना है, यह मेरे लिए गर्व की बात है। उनके इस विश्वास और उम्मीदों पर खरा उतरना अब मेरी जिम्मेदारी है।

मैं यह संकल्प लेती हूँ कि मैं अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, लगन और निष्ठा के साथ करूँगी। साथ ही, कॉलेज के सभी कार्यों में सक्रिय सहयोग दूँगी और अन्य प्रतिनिधियों के साथ मिलकर कार्य करूँगी।

मुझे आशा है कि मैं अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करूँगी, निस्वार्थ भाव से सेवा करूँगी और सभी का सही मार्गदर्शन कर सकूँगी। कॉलेज के उद्योग मंत्री के रूप में यह अवसर मेरे लिए सौभाग्य की बात है, और इससे मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।

निरूपा टेटे
प्रथम वर्ष 'अ'

Health & Wellness का महत्व और मेरा अनुभव

स्वास्थ्य एवं वेलनेस का हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इसके बिना जीवन की राह कठिन हो जाती है। अक्सर देखा जाता है कि मनुष्य अपने जीवन के महत्वपूर्ण कर्तव्यों को छोड़कर अन्य चीजों को प्राथमिकता देता है और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देता। गलत खान-पान, अस्वच्छता और अनुशासन की कमी हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाती है।

हम स्वयं ही अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह रहते हैं और अनजाने में उसे बिगाड़ते हैं। यदि किसी व्यक्ति के पास सब कुछ हो, लेकिन वह स्वस्थ न हो, तो वह अपने जीवन का पूर्ण आनंद नहीं ले सकता। अस्वस्थ व्यक्ति कई प्रकार की परेशानियों और बंधनों में जकड़ जाता है। इसलिए स्वस्थ रहना प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का मूल आधार है।

मुझे अत्यंत खुशी है कि मुझे महाविद्यालय में **Health & Wellness Leader** के रूप में चुना गया है। यह मेरे लिए गर्व की बात है और एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं अपने इस दायित्व को पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का संकल्प लेता हूँ।

मैं प्रयास करूँगा कि महाविद्यालय के सभी साथियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर सकूँ और स्वच्छता, सही खान-पान तथा नियमित दिनचर्या के महत्व को समझा सकूँ। मुझे विश्वास है कि इस कार्यकाल के दौरान मैं स्वयं भी बहुत कुछ सीखूँगा और दूसरों को भी प्रेरित कर सकूँगा।

रॉबिनसन बेक
प्रथम वर्ष 'अ'

"लीडरशिप का अनुभव"

मुझे कॉलेज में *हेल्थ लीडर* के रूप में चुना जाना मेरे लिए एक नया और चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है। जिस दिन प्रतिनिधियों के लिए नाम प्रस्तावित किए जा रहे थे, उस समय मुझे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि मेरा नाम किसी पद के लिए सामने आएगा।

जब मुझे हेल्थ लीडर के रूप में नामांकित किया गया, तो यह मेरे लिए गर्व और आश्चर्य दोनों का क्षण था। इसके बाद मतदान हुआ, जिसमें प्रथम वर्ष के मेरे सभी सहपाठियों एवं द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं ने मुझे इस पद के लिए योग्य समझा और मुझे लीडर के रूप में चुना। यह मेरे लिए अत्यंत खुशी और सम्मान की बात है।

सबसे बड़ी बात यह है कि इस अवसर ने मुझे अपने अंदर नेतृत्व के गुणों को निखारने और विकसित करने का मौका दिया है। मैं इस अवसर का सही उपयोग करते हुए अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयास करूँगा। साथ ही, सेवा की भावना रखते हुए सभी प्रशिक्षुओं की सहायता करना और उनके साथ मिलकर कार्य करना मेरी प्राथमिकता रहेगी।

मैं अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाने का संकल्प लेता हूँ। कॉलेज के सभी लीडरों के साथ मिलकर टीमवर्क की भावना से कार्य करते हुए, हर विभाग और कार्यक्रम को बेहतर बनाने का प्रयास करूँगा।

साथ ही, सभी व्याख्याताओं के मार्गदर्शन और प्रशिक्षुओं के सहयोग से मैं कॉलेज के प्रत्येक कार्यक्रम में अपना पूर्ण योगदान देने का प्रयास करूँगा, ताकि हम सब मिलकर अपने महाविद्यालय को और भी बेहतर बना सकें।

डिबर संडी पूर्ति
प्रथम वर्ष 'अ'

लीडरशिप का अनुभव

लीडरशिप का कार्य कोई छोटा-मोटा काम नहीं होता, बल्कि यह एक व्यक्ति को जिम्मेदार बनाता है। हमारे महाविद्यालय में नई नेतृत्व टीम के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई। जब प्रस्ताव के दौरान मेरा नाम लिया गया, तो मुझे थोड़ी घबराहट हुई, क्योंकि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरा नाम भी इस पद के लिए आएगा।

चुनाव की प्रक्रिया के बाद सभी ने अपने-अपने पसंद के प्रतिनिधियों को चुना। मुझे तो खुद पर विश्वास नहीं था कि मैं इस पद के योग्य हूँ, लेकिन साथियों ने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे चुन लिया। शायद उन्होंने मुझमें कुछ ऐसा देखा, जो मुझे स्वयं में दिखाई नहीं देता था। यह मेरे लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है।

इस अवसर के माध्यम से मुझे सीखने और कॉलेज की नेतृत्व टीम के साथ मिलकर कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जब मैंने हाथ में मोमबत्ती लेकर शपथ ली और बैज पहना, तब मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे कंधों पर एक नई जिम्मेदारी आ गई है।

मुझे *खेल लीडर* के रूप में चुना गया है, जो मेरे लिए और भी खास है क्योंकि मुझे खेलों से बहुत लगाव है। मैं सभी के सहयोग से अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी, पूरी लगन और निःस्वार्थ भाव से निभाने का प्रयास करूँगी। साथ ही, महाविद्यालय के नियमों का पालन करते हुए अनुशासन बनाए रखने में भी अपना योगदान दूँगी।

मैं पूरी कोशिश करूँगी कि अपने कार्यों के माध्यम से सभी के विश्वास पर खरा उतर सकूँ।

मोनिका लकड़ा
प्रथम वर्ष 'अ'

आर्ट एंड क्राफ्ट: रचनात्मकता और जिम्मेदारी का अनुभव

आर्ट एंड क्राफ्ट के पद पर कार्यभार संभालने के लिए लीडर के रूप में चुना जाना मेरे लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है। इस महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान किस प्रकार पहले से तैयारी की जाती है, यह सीखने का मुझे अच्छा अवसर मिलेगा। मैं अपने कार्य को पूरी ईमानदारी, लगन और सहयोग की भावना के साथ करने का प्रयास करूँगा।

कला और शिल्प मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुझे बचपन से ही रंगों और रचनात्मक कार्यों में रुचि रही है। मुझे ड्राइंग, पेंटिंग तथा कागज से विभिन्न वस्तुएँ बनाना बहुत पसंद है। कला के माध्यम से मैं अपने विचारों और भावनाओं को आसानी से व्यक्त कर पाता हूँ, जैसे—कागज की सजावट, मिट्टी के खिलौने बनाना आदि।

स्कूल के समय से ही आर्ट एंड क्राफ्ट की कक्षाएँ मुझे बहुत पसंद रही हैं, क्योंकि इनमें नई-नई तकनीकें सीखने को मिलती हैं। यह न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि हमें नई चीजें सीखने और अपनी रचनात्मकता को विकसित करने में भी मदद करता है।

इस प्रकार, कला और शिल्प मेरे लिए केवल एक विषय नहीं, बल्कि खुशी, अभिव्यक्ति और सृजनात्मकता का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

आशीष बाः
प्रथम वर्ष 'अ'

लीडरशिप का अनुभव

हमारे महाविद्यालय में 14/04/2026, दिन मंगलवार को हम सभी प्रशिक्षुओं के बीच से नए लीडर्स के चयन के लिए प्रक्रिया आयोजित की गई। महाविद्यालय के व्याख्याताओं की उपस्थिति में विभिन्न पदों के लिए प्रशिक्षुओं के नाम प्रस्तावित किए गए। नाम प्रस्तावित होने के साथ ही समर्थन के लिए भी प्रशिक्षुओं की सक्रिय सहभागिता रही।

मेरा नाम भी *उद्योग लीडर* के रूप में प्रस्तावित किया गया और मुझे साथियों का समर्थन मिला, जिससे मैं इस पद के लिए उम्मीदवार के रूप में खड़ी हो पाई। अगले दिन, 15/04/2026 (बुधवार) को सभी उम्मीदवारों के बीच मतदान हुआ, जिसमें दो लीडर्स का चयन किया जाना था। इस प्रक्रिया में योग्य और जिम्मेदारी निभाने में सक्षम उम्मीदवारों को चुना गया। मुझे *उद्योग लीडर* के प्रथम लीडर के रूप में चयनित किया गया, जो मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है।

तीसरे दिन, 16/04/2026 (गुरुवार) को नए लीडर्स का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर मैंने और अन्य चयनित लीडर्स ने शपथ ग्रहण की। हमें महाविद्यालय के नियमों का पालन करते हुए नेतृत्व करने का अवसर मिला। शपथ लेते समय मेरे मन में अपने कार्य को बेहतर ढंग से करने, अपनी योग्यता को निखारने और एक सशक्त नेतृत्व प्रस्तुत करने का संकल्प था।

यह अवसर मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके माध्यम से मुझे अपनी लीडरशिप क्षमता विकसित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपने गुणों को निखारने का मौका मिला है।

हमारे महाविद्यालय में *उद्योग मंत्री* का कार्य परिसर की साफ-सफाई पर ध्यान देना, उसे बनाए रखना तथा विभिन्न कार्यक्रमों और समारोहों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को संभालना होता है। मैं पूरी ईमानदारी, लगन और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रयास करूँगी।

प्रतिभा डुडू
प्रथम वर्ष 'अ'

नए उद्योग मंत्री (उप-उद्योग लीडर) के रूप में मेरा अनुभव

दिनांक 13/04/2026 को हमारे महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के सभी प्रशिक्षु पुस्तकालय कक्ष में एकत्रित हुए। इस अवसर पर मैम डॉली लकड़ा, श्री नीरज त्रिपाठी, सुशीला मैम तथा हमारे कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पी. जे. जेम्स उपस्थित थे। उस दिन विभिन्न विभागों के लिए नए प्रतिनिधियों के चयन हेतु नाम प्रस्तावित और समर्थित किए गए।

इसी क्रम में मुझे उद्योग विभाग के लिए लीडर के रूप में अंकित बाखला द्वारा प्रस्तावित किया गया। इस पद के लिए कुल चार उम्मीदवारों के नाम प्रस्तावित हुए थे।

दिनांक 14/04/2026 को प्रथम वर्ष के दोनों सेक्शन, द्वितीय वर्ष के दोनों सेक्शन तथा सभी व्याख्याताओं ने मतदान प्रक्रिया में भाग लिया और अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। इस मतदान का परिणाम दिनांक 15/04/2026 को नोटिस बोर्ड के माध्यम से घोषित किया गया, जिसमें मेरा चयन उप-उद्योग लीडर के रूप में हुआ।

इस पद के लिए चयनित होना मेरे लिए अत्यंत गर्व और खुशी की बात है। मैं अपने सभी साथियों का आभारी हूँ जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया और मुझे इस जिम्मेदारी के योग्य समझा। मैं यह संकल्प लेता हूँ कि अपने कार्यों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और लगन के साथ निभाऊँगा।

दिनांक 16/04/2026 को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी नव-निर्वाचित प्रतिनिधियों ने अपने पद की जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाने की शपथ ली। प्रारंभ में मुझे थोड़ी घबराहट महसूस हुई, लेकिन अपने गुरुओं के मार्गदर्शन और साथियों के सहयोग से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। अब मुझे इस जिम्मेदारी को निभाने में उत्साह और गर्व का अनुभव हो रहा है।

यह नई जिम्मेदारी मेरे लिए एक चुनौती के साथ-साथ सीखने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। मुझे विश्वास है कि इस अनुभव के माध्यम से मैं अपने व्यक्तित्व का विकास कर पाऊँगा और अपने कर्तव्यों का सफलतापूर्वक निर्वहन करूँगा।

सुचित मारकस तिग्गा
प्रथम वर्ष 'अ'

नए उद्योग मंत्री के रूप में मेरा अनुभव

दिनांक 14/04/2026 को हमारे महाविद्यालय में नए प्रतिनिधियों के चयन के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षकों तथा प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सबसे पहले मैं पूर्व के सभी विभागीय लीडर्स को धन्यवाद देना चाहता हूँ। उन्होंने अपने कार्यकाल में जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभाया और मुझे भी एक सप्ताह के लिए उद्योग मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर दिया, जिससे मुझे इस विभाग के कार्यों को समझने का अनुभव मिला।

वर्तमान में प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं द्वारा उद्योग मंत्री के पद के लिए मेरा नाम प्रस्तावित किया गया। यह मेरे लिए गर्व और खुशी की बात थी कि मुझे इस पद के योग्य समझा गया। इसके बाद मतदान प्रक्रिया आयोजित की गई, जिसमें 16/04/2026 को सभी छात्र-छात्राओं को वोटिंग स्लिप दी गई। उसमें चार उम्मीदवारों के नाम थे, जिनमें से एक को चुनना था।

इस मतदान के परिणामस्वरूप मुझे उद्योग मंत्री के रूप में चयनित किया गया। यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। चयन के पश्चात शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया और उसी दिन से हमने अपने कार्यभार का निर्वहन शुरू कर दिया।

इस पद पर कार्य करना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव रहा है। शुरुआत में मुझे थोड़ा डर महसूस हुआ, लेकिन धीरे-धीरे मैंने कार्य करने के तरीके सीखे और आत्मविश्वास बढ़ा। महाविद्यालय के कार्यों को सभी छात्रों के साथ मिलकर करना मुझे बहुत अच्छा लगता है।

इन जिम्मेदारियों ने मुझे अधिक जिम्मेदार (responsible) और समझदार बनाया है। मैंने यह सीखा कि केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यवहारिक कार्यों के लिए तैयार होना भी उतना ही आवश्यक है।

अंत में, मैं बहुत खुश और आभारी हूँ कि मुझे यह अवसर मिला। मैं आगे भी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास करता रहूँगा।

चिरंजीत बाः
प्रथम वर्ष 'ब'

"A New Beginning in Leadership: My Experience as Art & Craft Leader"

It was the time to select new representatives from the first-year students. We were informed that nominations would be made for different departments, and four candidates would be selected through the election process. Everyone was excited and busy thinking about whom to choose for each post and department. I was also among them, and to my surprise, I was nominated for the position of Art & Craft Leader.

The day of the election arrived, and I felt both nervous and uncertain about the result. I kept wondering whether I would be selected or not. Finally, the result day came, and the list was posted on the notice board. During the short break, we all rushed to see the results. I was not expecting my name, but to my surprise, I was selected as the Art & Craft Leader.

At that moment, I felt both happy and a little worried about how I would handle this responsibility. However, I decided to accept it as a challenge. Soon after, the oath-taking ceremony and badge distribution took place on 16-04-2026, which made me feel even more excited and proud.

This is my first experience of leading a group, and it brings a mix of excitement and nervousness. But I have realized that we are not alone—we have the guidance and support of our teachers behind us. With this new beginning, I am ready to take on my responsibilities and give my best to contribute creatively and decorate our college with my ideas and efforts.

Archana Minj
First Year 'A'

वाइस कैप्टन बनने का अनुभव

मैं अत्यंत खुश हूँ कि मुझे महाविद्यालय में वाइस कैप्टन के रूप में चुना गया। दिनांक 14 अप्रैल 2026 को महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के लिए नए प्रतिनिधियों के चयन हेतु नाम प्रस्तावित किए गए और 15 अप्रैल को परिणाम घोषित किए गए।

जब मुझे एक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया, तो मेरे मन में खुशी और डर दोनों भाव थे। डर इस बात का था कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे मैं सही ढंग से निभा पाऊँगी या नहीं। यह विचार बार-बार मन में आता था। वहीं दूसरी ओर, मुझे इस बात की खुशी भी थी कि इतने सारे प्रशिक्षुओं में से मुझे इस पद के लिए योग्य समझा गया।

शपथ ग्रहण के बाद, जब पुराने प्रतिनिधियों द्वारा हमें बैज सौंपा गया, तब उनके साथ-साथ उनकी सभी जिम्मेदारियाँ भी हमें सौंपी गईं, जिन्हें हमने खुशीपूर्वक स्वीकार किया।

मैं स्वयं से और अपने सभी साथियों से यह वादा करती हूँ कि हम महाविद्यालय के प्रत्येक कार्य को पूरी जिम्मेदारी और लगन के साथ निभाएँगे। साथ ही, इस कार्यकाल के दौरान हम कुछ नया सीखेंगे और अपने आत्मविश्वास को भी बढ़ाएँगे।

आकांक्षा टुड्डू
प्रथम वर्ष 'अ'

Liturgy & Prayer Leader के रूप में मेरा अनुभव

मैं बहुत खुश हूँ कि मुझे महाविद्यालय में *Liturgy & Prayer Leader* के रूप में चुना गया है। जब चुनाव हो रहा था, तब मेरे मन में कई तरह के विचार आ रहे थे—क्या मैं इस पद के योग्य बन पाऊँगा या नहीं। फिर भी मेरे अंदर एक खुशी और उत्साह बना हुआ था।

मुझे हमेशा से गाना गाने और प्रार्थना में भाग लेने का शौक रहा है। मैं सोच रहा था कि अगर मुझे यह जिम्मेदारी मिलती है, तो मुझे सभी साथियों के साथ मिलकर प्रार्थना करवाने और गीत सिखाने का अवसर मिलेगा। यह विचार मुझे बहुत अच्छा लग रहा था, लेकिन साथ ही थोड़ी घबराहट भी थी कि क्या मैं सभी के सामने अच्छे से गा पाऊँगा या नहीं।

जब चुनाव में मेरा नाम आया, तो मुझे बहुत खुशी हुई। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। मुझे विश्वास है कि मैं अच्छा गा सकता हूँ और सभी के साथ मिलकर सुंदर तरीके से प्रार्थना भी करवा सकता हूँ।

इस पद पर चुने जाने के बाद मैं बहुत खुश हूँ और मैं यह संकल्प लेता हूँ कि अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और लगन के साथ निभाऊँगा।

अमृत बड़ा

झुका हुआ फूल

सोहन सोनपुर नामक एक गाँव में रहता था। गाँव पहाड़ के किनारे स्थित होने के कारण वहाँ का वातावरण बहुत ही शांत और मनोहारी था। सोहन एक ईमानदार और मेहनती लड़का था। वह रोज सुबह समय पर विद्यालय जाया करता था।

विद्यालय के रास्ते में एक छोटी-सी फूलवारी पड़ती थी। उस फूलवारी में अनेक प्रकार के सुंदर फूल खिले रहते थे। सोहन रोज उन फूलों को देखकर बहुत खुश होता था।

एक दिन विद्यालय जाते समय उसने देखा कि फूलों के बीच एक सूरजमुखी का फूल झुका हुआ है। उसे यह देखकर अच्छा नहीं लगा। उसने सोचा कि इस फूल को कैसे सीधा किया जाए। वह तुरंत घर गया और एक लकड़ी का डंडा लेकर आया। उसने उस डंडे को फूल के पास गाड़कर उसे सहारा देने की कोशिश की, लेकिन डंडा बार-बार गिर जाता था।

फिर सोहन एक रस्सी ले आया और सावधानीपूर्वक उस झुके हुए फूल को डंडे के सहारे बाँध दिया। अब वह सूरजमुखी का फूल सीधा खड़ा हो गया। वह सभी फूलों के बीच सबसे ऊँचा और सुंदर दिखने लगा।

सोहन को बाकी फूलों को देखकर जितनी खुशी होती थी, उससे कहीं अधिक खुशी उस एक झुके हुए फूल को सीधा देखकर हुई। उसे ऐसा लगा मानो वह फूल भी मुस्कुरा रहा हो।

सीख:
हमें हमेशा दूसरों की मदद करने और उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

अरविन्द तोपनो
प्रथम वर्ष 'ब'

लीडरशिप का अनुभव

लीडरशिप केवल जिम्मेदारी निभाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह अपने कर्तव्यों को सही तरीके से पूरा करने और दूसरों के लिए उदाहरण बनने की क्षमता भी सिखाती है। एक सच्चा लीडर वही होता है जो अनुशासन का पालन करते हुए अपने कार्यों को ईमानदारी से निभाता है।

मेरे लिए यह लीडरशिप का अवसर आगे बढ़ने और अपने जीवन को बेहतर बनाने का एक महत्वपूर्ण मौका है। जब महाविद्यालय में लीडरशिप का चयन हो रहा था, उस समय मैं उपस्थित नहीं थी। बाद में जब मैं छात्रावास वापस आई, तो मुझे पता चला कि मेरा नाम भी लीडरशिप के लिए प्रस्तावित किया गया है। यह सुनकर मुझे आश्चर्य भी हुआ और खुशी भी मिली।

हालाँकि, मेरे मन में थोड़ी घबराहट भी थी कि क्या मैं इस जिम्मेदारी को सही ढंग से निभा पाऊँगी या नहीं। लेकिन धीरे-धीरे मैंने समझा कि अनुशासन, सहयोग और आत्मविश्वास के साथ हर कार्य को आसान बनाया जा सकता है।

यह अनुभव मेरे लिए प्रेरणादायक है। मैं यह संकल्प लेती हूँ कि अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाऊँगी तथा अपने साथियों के साथ मिलकर महाविद्यालय के कार्यों को सफल बनाऊँगी।

अंजु आइन्द
प्रथम वर्ष 'अ'

अनुभव

मैं अशोक कुजूर, प्रथम वर्ष (खंड 'ब') का प्रशिक्षु हूँ। मेरा अनुभव इस प्रकार है कि मैंने पहले कभी किसी प्रकार का नेतृत्व या मंत्री पद का कार्य नहीं किया था। इसलिए जब मुझे खेल मंत्री के रूप में चुना गया, तो यह मेरे लिए एक नया और महत्वपूर्ण अवसर था।

शुरुआत में मैं थोड़ा घबराया हुआ था कि इस पद पर रहकर मुझे किस प्रकार कार्य करना होगा और किन-किन बातों का ध्यान रखना होगा। लेकिन हमारे वरिष्ठ मंत्रियों से मिलकर मुझे विभिन्न कार्यों की जानकारी प्राप्त हुई और धीरे-धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ने लगा।

खेल मंत्री के रूप में मुझे खेल कक्ष (रूम) में रखे विभिन्न सामानों की देखभाल करना, उन्हें सही स्थान पर रखना तथा खेल रजिस्टर का सही ढंग से लेखा-जोखा रखना जैसे कार्य करने होते हैं। यह सब सीखते समय मुझे एक क्षण के लिए ऐसा लगा कि यह जिम्मेदारी उतनी आसान नहीं है, जितना मैं पहले समझ रहा था। यह कार्य वास्तव में बहुत जिम्मेदारी और अनुशासन की मांग करता है।

तब मैंने यह निश्चय किया कि मैं अपने सभी कार्यों को ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ, सही तरीके से पूरा करने का प्रयास करूँगा और प्रत्येक सामान तथा कार्य का पूरा ध्यान रखूँगा।

अंत में, यह अनुभव मेरे लिए बहुत ही शिक्षाप्रद रहा और इसने मुझे जिम्मेदारी निभाने तथा अनुशासन में रहने की प्रेरणा दी।

अशोक कुजूर
प्रथम वर्ष 'ब'

अनुभव

दिनांक 15/04/2026 को हमारे कॉलेज में छात्र प्रतिनिधि चुनाव सम्पन्न हुआ तथा 16/04/2026 को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुझे प्रार्थना मंत्री के रूप में चुना गया, जो मेरे लिए गर्व और खुशी की बात है।

शुरुआत में मुझे लगा कि इतनी बड़ी जिम्मेदारी निभाना थोड़ा चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन जैसे ही मैंने इस जिम्मेदारी को स्वीकार किया, यह कार्य धीरे-धीरे आसान लगने लगा। मेरा अनुभव है कि जब किसी कार्य को ईमानदारी और लगन से किया जाए, तो वह कठिन नहीं रहता।

मुझे विश्वास है कि परमेश्वर की कृपा, अपने साथियों का सहयोग तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन से मैं अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर पाऊँगा। परमेश्वर हमें हर कार्य के लिए शक्ति और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, इसलिए मुझे पूरा भरोसा है कि वे हमेशा मेरे साथ रहेंगे और मुझे सही दिशा दिखाते रहेंगे।

यह जिम्मेदारी मुझे और मेरे साथियों—अभिषेक, प्रीति, ममता एवं अमृत—को मिलकर निभानी है। हम सभी मिलकर इस कार्य को पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ सफल बनाने का प्रयास करेंगे।

अंत में, मैं अपने व्याख्याताओं एवं सभी प्रशिक्षुओं का आभारी हूँ, जिन्होंने हमें इस योग्य समझा और यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। हम सभी उनके विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

अभिषेक टोप्पो
प्रथम वर्ष 'ब'

नये प्रतिनिधियों के चुनाव का अनुभव

दिनांक 13/04/2026, दिन सोमवार को हमारे महाविद्यालय में नये छात्र प्रतिनिधियों के लिए नाम प्रस्तावित किए गए। विभिन्न विभागों के लिए अलग-अलग प्रतिनिधियों के नाम रखे गए, जिनमें मेरा नाम भी स्वास्थ्य विभाग के लिए प्रस्तावित किया गया। उस समय मैं इस बात से बिल्कुल अनजान और आश्चर्यचकित थी।

दिनांक 14/04/2026, दिन मंगलवार को सभी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मतदान के माध्यम से नये प्रतिनिधियों का चयन किया गया। इसके बाद 15/04/2026 को चुनाव परिणाम घोषित किया गया। जब मुझे यह पता चला कि मैं द्वितीय स्थान पर प्रतिनिधि के रूप में चुनी गई हूँ, तो मुझे थोड़ी घबराहट महसूस हुई। मन में यह सवाल था कि क्या मैं अपनी जिम्मेदारियों को सही तरीके से निभा पाऊँगी या नहीं। लेकिन साथ ही यह खुशी भी थी कि मुझे नेतृत्व करने का एक सुनहरा अवसर मिला और मुझे इस योग्य समझा गया।

दिनांक 16/04/2026 को, दिन वृहस्पतिवार को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुराने प्रतिनिधियों द्वारा हमें बैज पहनाकर हमारी जिम्मेदारियाँ सौंपी गई।

मैंने भी यह संकल्प लिया कि मैं अपनी जिम्मेदारियों को निःस्वार्थ भाव, पूर्ण लगन और ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास करूँगी। साथ ही, मैं अपने सह-प्रतिनिधियों के साथ मिल-जुलकर और एक-दूसरे का सहयोग करते हुए अपने सभी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने का प्रयास करूँगी।

नूतन टोपनो
प्रथम वर्ष ‘ब’

अनुभव

दिनांक 15/04/2026 को हमारे कॉलेज में छात्र प्रतिनिधियों का चुनाव सम्पन्न हुआ तथा 16/04/2026 को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुझे “फूल एवं बागवानी (गार्डन)” से संबंधित जिम्मेदारी दी गई।

यह मेरे लिए एक नया और अच्छा अनुभव रहा। मुझे शुरू से ही फूलों और पौधों से विशेष लगाव रहा है। विभिन्न प्रकार के फूलों और औषधीय पौधों को जानना, उन्हें लगाना तथा उनकी देखभाल करना मुझे बहुत अच्छा लगता है।

इस जिम्मेदारी को निभाते हुए मुझे यह समझ में आया कि बागवानी का कार्य केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल, साफ-सफाई और संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह कार्य हमें प्रकृति के करीब लाता है और हमारे जीवन में सुंदरता और सकारात्मकता भरता है।

मैं यह संकल्प लेता हूँ कि आने वाले समय में मैं इस कार्य को पूरी लगन, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निभाऊँगा। साथ ही, अपने शिक्षकों (फादर) के निर्देशानुसार कार्य करते हुए अपने कॉलेज को और भी सुंदर और स्वच्छ बनाने का प्रयास करूँगा।

अंत में, मैं यह कहना चाहूँगा कि प्रकृति की सुंदरता हमारे जीवन को बेहतर बनाती है, और हमें इसकी देखभाल करना हमारा कर्तव्य है।

राहुल कुजूर
प्रथम वर्ष ‘ब’

मेरा अनुभव (उप-कप्तान)

मेरा अनुभव कुछ इस प्रकार है कि द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं का कार्यकाल समाप्त होने के बाद, हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं को पदभार सौंपा गया। इसके अंतर्गत हमें अधिकारियों द्वारा सूचना दी गई कि प्रथम वर्ष के सभी प्रशिक्षुओं, हमारे प्राचार्य तथा कुछ व्याख्याताओं के साथ पुस्तकालय में एक बैठक आयोजित की जाएगी।

इस बैठक में सभी पदों और उनके कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, प्रत्येक कार्य क्षेत्र के लिए 4-4 उम्मीदवारों के नाम प्रस्तावित किए गए, जिनमें से 2 उम्मीदवारों का चयन चुनाव के माध्यम से किया जाना था। यह चुनाव दोनों वर्षों के प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

इस चुनाव प्रक्रिया में मुझे इस महाविद्यालय के उप-कप्तान के रूप में चुना गया। यह मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है कि मुझे महाविद्यालय का नेतृत्व करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। इसके लिए मैं हमारे प्राचार्य डॉ. फा. पी. जे. जेम्स, सभी व्याख्याताओं एवं सभी प्रशिक्षुओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मुझे इस योग्य समझा।

उप-कप्तान के रूप में मुझे 6 माह के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान मुझे महाविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों का नेतृत्व करने तथा अपने व्याख्याताओं के मार्गदर्शन में उन्हें सफल बनाने का अवसर मिलेगा।

मैं यह संकल्प लेता हूँ कि महाविद्यालय के सभी नियमों का पालन करते हुए, उप-कप्तान के रूप में अपना पूर्ण योगदान दूँगा और अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी, लगन और तत्परता के साथ निभाने का प्रयास करूँगा।

अंकित बखला
प्रथम वर्ष ‘ब’

अनुभव (Liturgy/Prayer Vice Leader)

मेरा अनुभव इस प्रकार है कि जिस दिन प्रतिनिधियों का चुनाव हो रहा था, उस दिन मैं बिल्कुल निश्चिंत और बेफिक्र थी। लेकिन अचानक मेरा नाम प्रस्तावित किया गया, जिससे मैं आश्चर्यचकित रह गई। अगले दिन प्रशिक्षुओं के वोट के माध्यम से मुझे *Liturgy/Prayer Vice Leader* के रूप में चुना गया।

एक ओर नेतृत्व करने की खुशी थी, तो दूसरी ओर यह चिंता भी थी कि क्या मैं अपनी जिम्मेदारियों को सही तरीके से निभा पाऊँगी या नहीं। फिर भी, मुझे जिस योग्य समझकर यह जिम्मेदारी दी गई है, उसे मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करूँगी।

इस कार्य को सफल बनाने के लिए मुझे आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है, और मुझे विश्वास है कि आप सभी मेरा साथ देंगे। आपके सहयोग से मैं अपने दायित्वों को भली-भाँति पूरा कर सकूँगी।

मेरे अनुसार, एक अच्छा नेता वही होता है जो स्वयं से आगे बढ़कर दूरदृष्टि के साथ परिस्थितियों को समझे और अपनी टीम के साथ मिलकर कार्य करे। ऐसा नेतृत्व टीम के सदस्यों के बीच विश्वास, सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा देता है।

अंत में, मैं यही कहना चाहूँगी कि मैं अपनी इस जिम्मेदारी को पूरी लगन और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करूँगी।

प्रीति आइन्द
प्रथम वर्ष 'ब'

चुनाव महापर्व (अनुभव)

दिनांक 15/04/2026 को हमारे महाविद्यालय में छात्र प्रतिनिधियों के चुनाव का महापर्व आयोजित किया गया। यह हमारे महाविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण और उत्साहपूर्ण अवसर था। इसी दौरान मेरा नाम भी प्रार्थना सभा के प्रतिनिधि (प्रार्थना लीडर) के लिए प्रस्तावित किया गया।

शुरुआत में मुझे यह विश्वास नहीं था कि मैं चयनित हो पाऊँगी। मतदान के समय मन में कई प्रकार के विचार आ रहे थे। लेकिन जब वोटिंग के बाद परिणाम घोषित हुआ और मुझे प्रार्थना लीडर के रूप में चुना गया, तो यह सुनकर मुझे अत्यंत खुशी हुई। परिणाम में अपना नाम देखकर मुझे गर्व और उत्साह दोनों का अनुभव हुआ।

मैंने निश्चय किया कि मैं इस जिम्मेदारी को पूरी लगन, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी के साथ निभाऊँगी। इस अवसर से मुझे अपनी नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का अच्छा मौका मिलेगा।

अंत में, मैं अपने सभी शिक्षकों और साथियों का आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे इस योग्य समझा। मैं उनके विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूँगी।

ममता टेटे

अनुभव (Art and Craft Leader)

मैं अनिश होरी, प्रथम वर्ष खंड 'B' का छात्र हूँ। मैं आप सभी के समक्ष Art and Craft Leader के रूप में चुने जाने का अपना अनुभव साझा करना चाहता हूँ।

मुझे Art and Craft Leader के पद के लिए चुना गया, यह मेरे लिए गर्व और खुशी की बात है। मैं अपने सहपाठियों और व्याख्याताओं का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे इस योग्य समझा और मुझ पर विश्वास जताया।

इस जिम्मेदारी को पाकर मैं बहुत उत्साहित हूँ और पूरी लगन व मेहनत के साथ अपने कार्यों को निभाने का प्रयास करूँगा। मैं अपने सहपाठियों तथा आने वाले जूनियर छात्रों को कला एवं शिल्प से संबंधित नई-नई चीजें सिखाने में सहायता करूँगा, ताकि सभी कुछ नया सीख सकें।

मैं यह भी सुनिश्चित करूँगा कि हर छात्र को कार्य करने का अवसर मिले, जिससे उनमें रचनात्मकता और आत्मविश्वास का विकास हो। मेरा प्रयास रहेगा कि मैं अपने कार्यों से अपने सहपाठियों और व्याख्याताओं को निराश न करूँ।

इस पद को प्राप्त कर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है, और मैं अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने का संकल्प लेता हूँ।

अनिश होरो
प्रथम वर्ष 'ब'

कॉलेज जीवन में नेतृत्व का महत्व

कॉलेज जीवन प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है। यह केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं है, बल्कि यह वह समय भी है जब विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व को निखारते हैं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझते हैं। इसी दौरान नेतृत्व (Leadership) का विकास विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यही गुण भविष्य में सफलता की नींव तैयार करता है।

नेतृत्व का अर्थ केवल किसी समूह का नेतृत्व करना या किसी पद पर आसीन होना नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी क्षमता है, जिसके माध्यम से व्यक्ति दूसरों को प्रेरित करता है, सही दिशा दिखाता है और कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित निर्णय लेता है। कॉलेज में जब विद्यार्थियों को विभिन्न जिम्मेदारियाँ सौंपी जाती हैं—जैसे कक्षा प्रतिनिधि, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संयोजक, खेलकूद टीम के कप्तान या किसी क्लब के लीडर—तब उन्हें अपने नेतृत्व कौशल को विकसित करने का अवसर मिलता है।

कॉलेज जीवन में नेतृत्व का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का विकास करता है। जब कोई छात्र किसी समूह का नेतृत्व करता है, तो उसे अपने विचारों को प्रस्तुत करना, दूसरों के सामने बोलना और अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखना पड़ता है। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह भविष्य में किसी भी मंच पर निडर होकर अपनी बात रख सकता है।

इसके साथ ही नेतृत्व संचार कौशल (Communication Skills) को भी मजबूत बनाता है। एक अच्छा नेता वही होता है जो अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सके और दूसरों की बातों को ध्यानपूर्वक सुन सके। कॉलेज में विभिन्न गतिविधियों के दौरान विद्यार्थियों को संवाद स्थापित करने के अनेक अवसर मिलते हैं, जिससे उनकी अभिव्यक्ति क्षमता और समझने की शक्ति दोनों विकसित होती हैं।

नेतृत्व विद्यार्थियों को टीमवर्क (Teamwork) का महत्व भी सिखाता है। कॉलेज में अधिकांश कार्य समूह में किए जाते हैं, जहाँ सभी के सहयोग से ही सफलता प्राप्त होती है। एक सफल नेता अपने साथियों के विचारों का सम्मान करता है और सभी को साथ लेकर चलता है। इससे विद्यार्थियों में सहयोग, सहानुभूति और आपसी समझ की भावना विकसित होती है, जो आगे चलकर उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में बहुत उपयोगी साबित होती है।

इसके अलावा, नेतृत्व कौशल विद्यार्थियों में समस्या समाधान (Problem Solving) की क्षमता भी विकसित करता है। कॉलेज जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियाँ आती हैं जहाँ त्वरित और सही निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। एक नेता इन परिस्थितियों का सामना धैर्य और समझदारी से करता है। वह समस्याओं का विश्लेषण करता है और उनके समाधान के लिए उचित कदम उठाता है। यह गुण भविष्य में किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

नेतृत्व का एक और महत्वपूर्ण पहलू है समय प्रबंधन (Time Management)। जब विद्यार्थी विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं, तो उन्हें अपने समय का सही उपयोग करना पड़ता है। पढ़ाई, सह-शैक्षिक गतिविधियाँ और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती होती है, जिसे नेतृत्व के माध्यम से आसानी से सीखा जा सकता है। यह कौशल उन्हें जीवन भर अनुशासित और संगठित बनाए रखता है।

कॉलेज में विकसित नेतृत्व कौशल विद्यार्थियों के करियर को भी नई दिशा प्रदान करता है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में केवल शैक्षणिक योग्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कंपनियाँ और संस्थान ऐसे व्यक्तियों की तलाश करते हैं, जिनमें नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता और टीम के साथ काम करने की क्षमता हो। इसलिए कॉलेज में सीखी गई ये क्षमताएँ विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करती हैं।

अंततः, नेतृत्व केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के विकास से भी जुड़ा हुआ है। एक अच्छा नेता समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझता है और सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करता है। कॉलेज में सीखे गए मूल्य और अनुभव विद्यार्थियों को एक जागरूक, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि कॉलेज जीवन में नेतृत्व का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा है। यह न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारता है, बल्कि उनके भविष्य को भी सशक्त और उज्ज्वल बनाता है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिए कि वह कॉलेज में उपलब्ध हर अवसर का लाभ उठाए, अपनी जिम्मेदारियों को समझे और एक अच्छे नेता के रूप में स्वयं को विकसित करने का प्रयास करे।

इतिहास और राजनीति

श्री सिप्रियन सुरीन

इतिहास हमें बताता है कि अतीत में क्या हुआ, कैसे हुआ और क्यों हुआ। किसी भी देश के इतिहास का अध्ययन उस देश के विकास एवं उसे सुष्यवस्थित ढंग से चलाने का मार्ग दर्शक हो सकता है। दूसरी ओर इतिहास देश की में फूट पैदा करने, अव्यवस्थित करने एवं देश को पीछे धकेलना का काम कर सकता है। अर्थात इतिहास रुपी सिक्के के दो पहलू हो सकते हैं। एक शांति एवं विकास का, दूसरा अशांति एवं विनाश का, यह निर्भर करेगा उस देश के शासक पर। शासक पर निर्भर करता है कि वह इतिहास को किस नजरिये से देखता है। शासक का इतिहास के प्रति साकारात्मक दृष्टि हो तो यह विकास एवं शांति लाएगा। यदि नाकारात्मक हो तो यह अशांति एवं विनाश लाएगा।

हमारे देश में अनेक प्रतापी राजा एवं शासक हुए। ये शासक हिन्दु, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी वर्गो से आते थे। सभी ने अपने मतलब के अनुसार अच्छे या बुरे कार्य किये। इन सब में एक ही समानता थी। जैसे-तैसे करके अपनी शक्ति बढ़ाना। आज के शासकों पर निर्भर करता है कि वे इतिहास के शासकों की अच्छाइयों पर जोर देते हुए देश में सुख-समृद्धि लाएं या बुराईयों पर जोर देते हुए देश मैं अशांति एवं विनाश लाएँ।

इस संदर्भ में आईए हम इतिहास से कुछ उदहरण देखें :

शिवाजी महाराज (1630-1680) - इन्होंने मराठा साम्राज्य की स्थापना की। यह समय मुगल शासकों का दबदबा था, विशेषकर मुगल शासक औरंगजेब का। अतःअपनी शक्तियों के विस्तार के क्रम में इन दोनों शासकों शिवाजी, एक हिन्दु शासक और औरंगजेब, एक मुस्लिम शासक के बीच लगातार संघर्ष होता रहा। इन दोनों शासकों ने अपने इस संघर्ष में धर्म को कभी हावी नहीं होने दिया। इसके कई उदाहरण है।

छत्रपति शिवाजी जो एक हिन्दु शासक थे। इन्होंने धर्म को कभी अपना ढाल नहीं बनाया। इसकी सेना में अनेक मुस्लिम अधिकारी थे। उदाहरण के लिए, सिदि इब्राहिम खान, एक विश्वासनिय कमाण्डर एवं शिवाजी का अंगरक्षक। दौलत खान जहाजी बेड़ाअधिकारी। इब्राहिम खान तोपखाने का अधिकारी। मदारी मेहतर, जिसने आगरा के बंदीगृह से शिवाजी को छुड़ाने में मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा मुस्लिम सिपाही शिवाजी की सेना में भर पड़े थे। शिवाजी से धर्म के आधार पर किसी से भेद-भाव नहीं किया।

शिवाजी महिलाओं का बहुत सम्मान करते थे। यह इस घटना से साबित होता है: 1657 में शिवाजी ने अपने सेना पति आबजी सोनदेत की अगुवाई में महाराष्ट्र के कल्याण पर आक्रमण कर दिया और वहाँ के सुलतान मुल्ला अहमद को हराया। वहाँ लूट-पाट की और लूट की माल के साथ सेनापति ने शिवाजी के लिए एक विशेष उपहार लेकर आया। वह उपहार था मुल्ला अहमद की निहायत सुन्दर बहू। शिवाजी से सेनापति को डांटते हुए कहा कि यह मेरी माँ के समान है। उन्होंने मजाकिए, लहजे में भी कहा कि यदि ये मेरी असल माँ होती तो मैं भी सुन्दर दिखता। शिवाजी ने उस महिना को ससम्मान उपहार देकर वापस कर दिया। इस घटना के संबंध में विनायक दामोदर सावरकर, अपनी पुस्तक "भारतीय इतिहास के छःस्वर्णिम पन्ने" में शिवाजी के इस कार्य की निंदा करते हुए कहते हैं शिवाजी को मुस्लिम शासकों द्वारा हिन्दु महिलाओं के अपमान का बदला इस महिला से लेना चाहिए था। सावरकर का यह विचार “प्रतिशोध के साधन के रूप में बलात्कार” का द्योतक है।

क्रमशः.....